हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 14 सितंबर 2025

तापमान
अधिकतम 34 .3 डिग्री
न्यूनतम 25 .5 डिग्री

11 कमल कप क्रिकेट टूर्नामेंट गन्नौर और खरखौदा के बीच होगा फाइनल

12 त्योहारी सीजन में तोहफा, मऊ से अंबाला कैंट तक साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

खबर संक्षेप

ट्रक के नीचे आने से बाइक सवार की मौत

खरखौदा। पीपली गांव में एक ट्रक के नीचे आ जाने से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। दोपहर के समय सिसाना निवासी अंकित (21) बाइक से अपने गांव सिसाना आ रहा था। पिपली गांव में उसने ट्रक को क्रॉस करना चाहा। इस बीच वह ट्रक की चपेट में आ गया और दुर्घटनाग्रस्त होने पर मौके पर ही मौत हो गई। जेब में मिले दस्तावेजों के आधार पर परिजनों को सूचित किया गया। पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी।

बेगा में रंजिश के चलते मजदूर पर हमला, केस

गन्नौर। गांव बेगा में रंजिश के चलते मजदूर पर हमला कर घायल करने का मामला सामने आया है। रियाज ने बताया कि 8 सितंबर की शाम मस्जिद में नमाज के दौरान गांव के ही मुसाहिद, उसके बेटे समीर और सोहेल ने गाली-गलौज कर लकड़ी की पटरी से हमला कर दिया। बचकर घर पहुंचने पर भी आरोपित उसके घर घुस आए और जान से मारने की धमकी दी। घायल अवस्था में उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया। पुलिस ने तीन के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्रतिबंधित प्लास्टिक के थोक विक्रेताओं पर 1.01 लाख जुर्माना

सोनीपत। शहर में एकल उपयोग प्लास्टिक (एसयूपी) की बिक्री और भंडारण रोकने के लिए हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर निगम की संयुक्त टीम ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान छह थोक विक्रेताओं के चालान काटकर 1.01 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और उनके पास से 154 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किया गया।

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहायक पर्यावरण अभियंता अनिल कुमार ने बताया कि अभियान के तहत कुम्हार गेट स्थित तीन, मुरथल रोड के दो और ओल्ड डीसी रोड के एक थोक विक्रेता पर कार्रवाई की गई।

घर पर खड़ी गाड़ी का पुलिस ने भेजा चालान

गन्नौर। दिल्ली के मयूर विहार निवासी एक व्यक्ति उस समय हैरान रह गया, जब उसके नाम पर सोनीपत पुलिस का चालान घर पहुंचा। चालान जिस गाड़ी का था वह किया कंपनी की कार निकली, जबकि उनके पास लाल रंग की आल्टो कार है। पीड़ति अमिताभ सिन्हा ने मामले की शिकायत थाना बड़ी में दी। शिकायत में बताया कि 29 जनवरी 2025 को जीटी रोड पर पुलिस ने एक गाड़ी का चालान किया, लेकिन चालान उनके नाम पर भेज दिया गया। उन्हें आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी आल्टो का नंबर फर्जी तरीके से अपनी किया गाड़ी पर लगा रखा है

पुलिस आयुक्त ममता सिंह की अध्यक्षता में हुई पुलिस-व्यापारी संगठनों की संयुक्त बैठक

सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों पर लगवाएं हाई क्वालिटी सीसीटीवी

शहर में आमजन और व्यापारियों के सहयोग से कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने की कवायद शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा और शहर की कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए आज लघु सचिवालय, सोनीपत के द्वितीय तल स्थित मीटिंग हॉल में पुलिस एवं व्यापारिक संगठनों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने की। बैठक में ज्वैलर्स एसोसिएशन, व्यापार मंडल एसोसिएशन, कैमिस्ट एसोसिएशन और इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में सुरक्षा, नशाखोरी, अवैध अतिक्रमण और ट्रैफिक प्रबंधन जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने, दुकानों में सीमित नकदी रखने और डीवीआर को सुरक्षित स्थान पर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिष्ठानों पर पुलिस कंट्रोल रूम, डायल-112, थाना, चौकी, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस के नंबर प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किए जाएं।

अतिक्रमण पर कार्रवाई से सुधरेगी ट्रैफिक व्यवस्था

ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए काठ मंडी और अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सामान के लोडिंग-अनलोडिंग का समय रात को तय करने की बात कही गई। ई-रिक्शा व ऑटो चालकों के लिए अलग स्थान तय करने हेतु उपायुक्त से विमर्श होगा। स्कूल टाइम और सीजन के दौरान अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिस तैनात करने का भी आश्वासन दिया गया। नगर निगम के साथ मिलकर अतिक्रमणकारियों पर सख्त कार्रवाई करने और जुर्माना लगाने की योजना भी बनाई गई है।

व्यापारिक संगठनों ने पुलिस के सामने उठाए कई मुद्दे

बैठक में व्यापारिक संगठनों ने कई मुद्दे उठाए। काठ मंडी संगठन ने लोडिंग-अनलोडिंग समस्या, कच्चे क्वार्टर संगठन ने बच्चों की नशाखोरी व चोरी, व्यापार मंडल ने नगर निगम के खराब कैमरों व गोहाना व्यापार मंडल ने नई अनाज मंडी के सामने ट्रैफिक जाम, केमिस्ट एसोसिएशन ने साधु के भेष में घूमने वाले संदिग्ध की जांच की मांग रखी। स्वर्णकारों ने गश्त व कैमरों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता जताई।

निगम से समन्वय कर जल्द ठीक करवाएंगें कैमरे

पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने सभी समस्याओं का संज्ञान लेते हुए आश्वासन दिया कि नगर निगम से समन्वय कर खराब कैमरे जल्द दुरुस्त कराए जाएंगे। संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी रखने के लिए ऑपरेशन आक्रमण अभियान जारी रहेगा और व्यापारिक क्षेत्रों में गश्त और मजबूत की जाएगी। उन्होंने बताया कि हाल ही में सोनीपत पुलिस ने 11 मुठभेड़ों में अपराधियों को दबोचा है और हरियाणा में सबसे अधिक मात्रा में नशा सोनीपत से बरामद हुआ है।

सीसीटीवी लगाकर गांवों की सुरक्षा करें मजबूत

गन्नौर। थाना प्रभारी निरीक्षक धीरज कुमार ने शनिवार को सरपंचों के साथ बैठक की। उन्होंने सरपंचों को पुलिस के साथ तालमेल बनाने की अपील की।ग्राम पंचायत शासन की सबसे छोटी इकाई है और वह अपने गांव की एक स्वतंत्र सरकार के रूप में कार्य करती है। ऐसे में गांव को सुरक्षित बनाने के लिए जरूरी स्थानों पर सीसीटीवी जरूर लगवाएं, ताकि अपराध पर लगाम लग सके। थाना प्रभारी ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस का सहयोग करें और पुलिस प्रशासन का भी उन्हें पूरा सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि गांवो में संदिग्ध व्यक्तियों की यदि जानकारी मिलती है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराध से पहले ही उसे रोका जा सके।

चोरी का माल खरीदने वालों की अब खैर नहीं : आयुक्त

किरायेदारों और कर्मचारियों की अनिवार्य पुलिस वेरिफिकेशन कराने की हिदायत देते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि चोरी का माल खरीदने वाले के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होगी। नशाखोरी के खिलाफ सख्त अभियान चलाने पर जोर देते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि नशीले पदार्थों की बिक्री और सेवन की सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए। उन्होंने बताया कि अब तक 400 से अधिक बाहरी लोगों को वेरिफिकेशन के बाद वापस भेजा गया है।

ये रहे मौजूद: बैठक में पुलिस उपायुक्त परबिना पी (पूर्वी जोन), पुलिस उपायुक्त भारती डबास (गोहाना), पुलिस उपायुक्त नरेन्द्र कादियान (क्राइम), पुलिस उपायुक्त कुशल सिंह (पश्चिमी जोन), सहायक पुलिस आयुक्त अजीत सिंह (मुख्यालय), सहायक पुलिस आयुक्त राजदीप मोर (शहर-1), सहायक पुलिस आयुक्त जीत सिंह (शहर-2), सहायक पुलिस आयुक्त देवेंद्र सिंह (मोहाना), सहायक पुलिस आयुक्त ऋषिकांत (गन्नौर), सहायक पुलिस आयुक्त राजपाल सिंह (क्राइम), सहायक पुलिस आयुक्त अमित धनखड़ (ट्रैफिक), सहायक पुलिस आयुक्त विपिन कुमार (राई) सहित विभिन्न संगठन प्रतिनिधि पवन तनेजा, नवीन कौशिक, राजेंद्र वर्मा, विनोद जैन, प्रदीप चहल, अजीत जैन, धीरज चौधरी आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। फुट पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस आयुक्त एवं अन्य अधिकारी।

आयुक्त ने की पैदल पेट्रोलिंग लोगों को दिया सुरक्षा का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

शहर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए सोनीपत पुलिस ने पैदल गश्त अभियान तेज कर दिया है।

शुक्रवार शाम पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने पुलिस उपायुक्त नरेंद्र कादयान, पुलिस उपायुक्त कुशल सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त अजीत सिंह व पुलिस टीम के साथ कोट मोहल्ला और सेक्टर-14 मार्केट में फुट पेट्रोलिंग की। गश्त के दौरान पुलिस आयुक्त ने दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा का असली अहसास केवल पुलिस की मौजूदगी से नहीं, बल्कि उसकी सक्रियता और जनता से संवाद से उपजता है। इसी सोच के तहत सोनीपत पुलिस शहरी, कस्बाई और ग्रामीण इलाकों में नियमित पैदल गश्त अभियान चला रही है।

प्रभावशाली पुलिसिंग तकनीक है पैदल गश्त

अभियान के तहत अपराधियों पर सीधी निगरानी रखने, आमजन से संवाद स्थापित कर विश्वास बढ़ाने और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा का माहौल बनाने पर जोर दिया जा रहा है। पैदल गश्त से न केवल असामाजिक तत्वों में भय का वातावरण बनता है बल्कि नागरिकों का पुलिस पर भरोसा भी बढ़ता है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि पैदल गश्त एक पुरानी लेकिन बेहद प्रभावशाली पुलिसिंग तकनीक है, जो अपराध की रोकथाम के साथ-साथ समाज से संवाद को भी मजबूत करती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिस जनता के बीच रहकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगी और कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।

गोहाना। नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद ग्रहण शपथ दिलाते हुए आनंद शर्मा।

सर्वसम्मति से नवीन अध्यक्ष व सोनिका चुनी गई उपाध्यक्ष

- गोहाना में जींद मार्ग स्थित नगर परिषद पार्क में मिड डे मील वर्कर्स की बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

शनिवार को शहर में जींद मार्ग स्थित नगर परिषद पार्क में मिड डे मिल वर्कर्स की गोहाना तहसील इकाई की जनरल बॉडी बैठक आयोजित हुई। बैठक में विचारविमर्श के बाद यूनियन की गोहाना तहसील इकाई का चुनाव करवाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनियन की जिला अध्यक्ष सुनीता ने की जबकि संचालन जिला सचिव रेखा ने किया। यूनियन का चुनाव सीटू नेता आनंद शर्मा, यूनियन नेता सुनीता और रेखा की देखरेख में करवाया गया। चुनाव में सर्वसम्मति से नवीन को अध्यक्ष, सोनिका को उपाध्यक्ष, अंजू को सचिव, कमलेश को सह सचिव और रेखा को कोषाध्यक्ष चुना गया। कार्यकारिणी में सुमित्रा, जगमति, संतरा और ज्योती को सदस्य चुना गया। सीटू के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने कहा कि मिड डे मील वर्करों को पक्के कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। जब तक उनको कर्मचारी का दर्जा नहीं दिया जाता तब तक 26 हजार रुपये न्यूनतम वेतन लागू किया जाए। बैठक को सर्व कर्मचारी संघ गोहाना खंड के सचिव सुरेश यादव ने भी संबोधित किया।

होमवर्क न करने पर छात्रा से क्लासरूम में लगवाया पोंछा

- दोनों पक्षों से की जाएगी बातचीत, जांच में जो सामने आएगा, उसी अनुसार की जाएगी कार्रवाई : पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

क्षेत्र के एक निजी स्कूल में होमवर्क न करने पर पांचवीं कक्षा की बच्ची से क्लासरूम में पोछा लगवाया गया। छात्रा की मां का आरोप है कि प्राचार्या ने उसकी बेटी को दूसरी कक्षा में ले जाकर छोटे बच्चों से शेम-शेम बुलवा बुलवाया। छात्रा की मां ने इस संबंध में पुलिस, शिक्षा विभाग के अधिकारियों और उपायुक्त को शिकायत दी। इसके साथ में सीएम व केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की। एक महिला ने पुलिस को शिकायत दी है कि उसकी बेटी एक निजी स्कूल में पढ़ती है। बुखार के कारण वह 29 अगस्त को अपना होमवर्क पूरा नहीं कर पाई थी। उस दिन स्कूल गई तो प्राचार्य ने उनकी बेटी के साथ अमानवीय व्यवहार किया। उसकी बेटी से क्लासरूम में पोछा लगवाया। उसके बाद दूसरे बच्चों से शेम-शेम बुलवाया। प्राचार्य ने धमकी दी कि अगर वह भविष्य में फिर से होमवर्क नहीं करेगी, तो उसे नंगा करके स्कूल में घुमाया जाएगा और उसके बाल काटकर गंजा कर दिया जाएगा। महिला का कहना है कि चिकित्सक ने जांच कराने पर कहा कि उनकी बेटी गहरे सदमे में है और स्कूल बदलने की सलाह दी। महिला के अनुसार अब वह बेटी को स्कूल भेजने की कोशिश करती हैं, तो वह रोने लगती है। बरोदा थाना के प्रभारी ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। इस संबंध में उपायुक्त को भी शिकायत दी गई है। दोनों पक्षों से सोमवार को स्कूल में बातचीत की जाएगी। जांच में जो सामने आएगा उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

मादक पदार्थ तस्करी में बिचपड़ी का राम सिंह गिरफ्तार

- सीआईए ने भारी मात्रा में चरस और अफीम बरामद की, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

क्राइम इंवेस्टिगेशन एजेंसी (सीआईए) की गोहाना पुलिस टीम ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में आरोपित गांव बिचपड़ी के राम सिंह को गिरफ्तार किया। उसके पास से भारी मात्रा में चरस व अफीम बरामद की। न्यायालय के आदेश पर उसे चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। सीआईए के प्रभारी वीरेंद्र ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक विनोद पुलिस टीम के साथ गश्त के दौरान गांव बिचपड़ी के नजदीक पहुंचे। सूचना मिली कि राम सिंह के पास भारी मात्रा में चरस है और वह उसे बेचने के लिए बिचपड़ी से जागसी रोड स्थित रजबाहा की पुलिया पर किसी के इंतजार में बैठा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे काबू किया। उसके पास थैला मिला, जिसमें नशीला पदार्थ था। पुलिस ने उससे 3.124 किलोग्राम चरस व 428 ग्राम अफीम बरामद की। आरोपित के विरुद्ध सदर थाना में केस दर्ज किया गया।

हाइवे किनारे अर्धनग्न युवक का शव मिलने से हड़कंप, हत्या की आशंका

- होटल सरोवर पोर्टिको के पास पड़ा था शव, पुलिस जांच जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

बहालगढ़ से मुरथल मार्ग पर होटल सरोवर पोर्टिको के पास शनिवार को एक युवक का अर्धनग्न शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव पर जलाने के गहरे निशान थे, जिससे आशंका है कि युवक की हत्या कर उसे खुर्द-बुर्द करने की कोशिश की गई है। हनुमान नगर निवासी मनोज शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह आरबीआई कंपनी, बहालगढ़ में कार्यरत हैं। शुक्रवार को काम से बहालगढ़ आए थे और मुरथल जाने के लिए ऑटो में सवार हुए। रास्ते में जब वह होटल के निकट लघुशंका के लिए उतरे तो वहां कूड़ा बीन रही एक महिला ने नीम के पेड़ के पास शव पड़े होने की सूचना दी। मौके पर जाकर देखा तो युवक का शव केवल नीले रंग के अंडरवियर में था और उसके चेहरे व सीने पर आग के गहरे निशान थे। सूचना पाकर बहालगढ़ थाना पुलिस तुरंत पहुंची और फॉरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया गया। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाए। हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

20 से 25 वर्ष है उम्र

आईओ अनिल ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 20 से 25 वर्ष है। शव की शिनाख्त पहली चुनौती है, जिसके लिए गुमशुदा व्यक्तियों की सूची से मिलान कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होंगे। इस वारदात ने क्षेत्र में दहशत फैला दी है। राहगीरों का कहना है कि शव की हालत साफ संकेत दे रही है कि युवक की हत्या कर सबूत मिटाने की नीयत से जलाने की कोशिश की गई।

South Point
GROUP OF INSTITUTIONS, SONIPAT
Run by Mange Ram Educational and Charitable Trust (Regd.)
98120 20033, 98124 21919, 90344 72910
DILBAG S. KHATRI
CHAIRMAN
98120 20033
Last Date for Admission
15th Sept. 2025
- B.Tech / LEET (CSE, ECE, Mechanical, Civil)
- M.Tech (CSE, ECE) • M.Tech Part Time (ECE / CSE)
- Diploma / LEET (CSE, ECE, Electrical, Mechanical, Civil, MLT)
- BBA, BCA, MBA, MCA
- B.A. LL.B (Hons.), L.L.B. (Hons.), LLM (Hons.)
- B.A., B.Sc. (Medical/ Non-Med.), B.Com, M.Com, PGD (Yoga)
- M.Sc. (Physics, Chemistry, Maths)
- M.A. (English, Hindi, History, Pol. Sc.)
- B.Ed., M.Ed., JBT / D.Ed., B.P.Ed.
- D.Pharm, B.Pharm / Leet
- B.Sc. (Nursing)
- CBSE Affiliated, Sr. Sec. Schools
www.southpoint.net.in
DIRECT ADMISSION
Sunday Open
Sector-20, Purkhas Road, Sonepat (Hr.)

16 हजार 884 मामलों का किया निपटारा 6.65 करोड़ की राशि का किया निस्तारण

जिले में शनिवार को हुआ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

चालान के 8618 मामलों में 1 करोड़ 14 लाख 18 हजार 200 की वसूली

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिला न्यायालय सोनीपत सहित उपमण्डल गोहाना, गन्नौर व खरखौदा न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की अध्यक्ष डॉ. नरिंदर कौर के निर्देशन में हुआ। लोक अदालत की बेंचों में अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायाधीश डॉ. नरिंदर कौर, अतिरिक्त प्रिंसिपल जज (फैमिली कोर्ट) ललिता पटवर्धन, अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार मान, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नेहा गोयल, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी आजाद सिंह व आकांक्षा सैनी, खरखौदा में एसडीजेएम विक्रांत, गन्नौर में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सागर शर्मा और गोहाना में न्यायिक दंडाधिकारी कोमल राव की बेंच शामिल रही। इसके अलावा पुलिस विभाग (कमिश्नर कार्यालय), जिला राजस्व अधिकारी, तहसीलदार सोनीपत, गोहाना, गन्नौर, खरखौदा, खानपुर व राई की बेंचों द्वारा राजस्व और अन्य सहायक मामलों का निपटारा किया गया। साथ ही जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, सोनीपत द्वारा उपभोक्ता मामलों का भी समाधान किया गया।

सोनीपत। लोक अदालत के दौरान मामलों का निपटारा करते न्यायधीश।

मोटर दुर्घटना क्लेम के 33 मामले निपटाए

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव प्रचेता सिंह ने जानकारी दी कि इस लोक अदालत में कुल 16 हजार 884 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया, जिनमें 6 करोड़ 65 लाख 39 हजार 580 रुपये की राशि का निस्तारण हुआ। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में मोटर दुर्घटना क्लेम के 33 मामलों का निपटारा हुआ, जिनमें 2 करोड़ 61 लाख 82 हजार 730 रुपये की समझौता राशि तय की गई। इसके अलावा 8 हजार 618 चालान मामलों का निपटारा करते हुए 1 करोड़ 14 लाख 18 हजार 200 रुपये वसूले गए। फौजदारी के 138, सिविल के 341, वैवाहिक विवाद संबंधी 211 और चेक बाउंस के 184 मामलों का निपटान हुआ, जिनसे 32 लाख 62 हजार 330 रुपये की राशि का समाधान किया गया। जिला एडीआर सेंटर में स्थाई लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न बैंकों के रिकवरी संबंधी 56 मामलों का भी निपटारा किया गया।

THE VEDIC ERA
PROGRESSIVE SCHOOL
RATANGARH, SONIPAT
AFFILIATED TO CBSE, NEW DELHI
REQUIRES
Well-qualified, smart, dedicated, convent-educated, trained (B.Ed.) and experienced teachers
- PGTs — Salary: Rs. 65,000/-
  - Mathematics
  - English
- TGTs — Salary: Rs. 55,000/-
  - Mathematics & Science Combination
  - English & Social Science Combination
  - Hindi & Sanskrit Combination
- NTTs, Mother Teachers, PTIs — Salary: Rs. 40,000/-
EMOLUMENTS NO BAR FOR EXPERIENCED AND REALLY DESERVING CANDIDATES
It is compulsory for the teachers to be fluent in speaking English
Kindly submit your Resume (with your Latest photograph and all details) at the School Reception within 5 days (on any working day between 9.00 am and 1.00 pm) or e-mail your Resume to:
thevediceraschool@gmail.com

फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और लार्ज कैप फंड्स में बढ़ा निवेश

■ इक्विटी फंड्स का नेट इनफ्लो 22% तक घटा ■ एएमएफआई ने अगस्त 2025 के आंकड़े जारी किए ■ अगस्त 2025 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लिए मिला-जुला महीना रहा

बिजनेस डेस्क

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने अगस्त 2025 के निवेश और रिडेम्प्शन के लेटेस्ट आंकड़े जारी कर दिए हैं। ये आंकड़े म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के ताजा रुझानों की दिलचस्प तस्वीर पेश करते हैं। अगस्त 2025 में निवेशकों ने जहां एक ओर इक्विटी फंड्स में लगातार पैसे डाले हैं, वहीं डेट फंड्स से बड़े पैमाने पर पैसे निकाले गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक अगस्त 2025 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लिए मिला-जुला महीना रहा। कुल नेट इनफ्लो 33,430 करोड़ रुपये रहा, जो जुलाई 2025 के 42,702 करोड़ रुपये की तुलना में करीब 22% कम है। हालांकि यह गिरावट दिखाती है कि निवेशक थोड़े सावधान हो गए हैं, लेकिन यह भी सच है कि यह लगातार 54वां महीना है जब इक्विटी फंड्स में नेट इनफ्लो देखने को मिला।

फ्लेक्सी, मिड और लार्ज कैप में इनफ्लो बढ़ा

अगस्त में सबसे ज्यादा निवेश फ्लेक्सी कैप फंड्स में आया। इस कैटेगरी में 7,679 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ, जो जुलाई के 7,654.33 करोड़ रुपये के नेट-इनफ्लो के मुकाबले थोड़ा बेहतर रहा। मिड कैप फंड्स में भी 5,330 करोड़ रुपये का इनफ्लो रहा, जबकि जुलाई में यह 5,182 करोड़ रुपये था। दिलचस्प बात यह रही कि लार्ज कैप फंड्स में 2,835 करोड़ रुपये का नेट निवेश आया, जो जुलाई के 2,125 करोड़ रुपये से 33% ज्यादा रहा। हालांकि, स्मॉल कैप फंड्स में निवेश की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी और इसमें नेट इनफ्लो जुलाई के 6,484 करोड़ रुपये से घटकर अगस्त में 4,993 करोड़ रुपये रह गया।

डेट फंड्स में निकासी का दबाव

अगस्त 2025 में डेट म्यूचुअल फंड्स ने बड़ा झटका खाया। कुल मिलाकर इस कैटेगरी से 7,980 करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो हुआ। यह तब है जब जुलाई 2025 में इन्हीं फंड्स में 1.07 लाख करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ था। कई सब-कैटेगरी जैसे कॉरपोरेट बॉन्ड फंड्स, बैंकिंग एवं पीएसयू फंड्स और गिल्ट फंड्स से पैसे निकाले गए। इसका बड़ा कारण कॉर्पोरेट्स और संस्थागत निवेशकों की तरफ से मनी मार्केट और लिक्विड फंड्स से निकासी बताई जा रही है, जो आमतौर पर तिमाही खत्म होने के बाद होती है।

हाइब्रिड फंड्स का आकर्षण बरकरार

हाइब्रिड फंड्स में निवेशकों का भरोसा जारी रहा। अगस्त में इसमें 15,294 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ। हालांकि यह जुलाई के 20,879 करोड़ रुपये से कम है, लेकिन फिर भी इससे संकेत मिलता है कि निवेशक बैलेंस्ड और डायनैमिक स्ट्रेटजी वाले फंड्स को पसंद कर रहे हैं।

गोल्ड ईटीएफ और इंडेक्स फंड्स रहे फेवरिट

गोल्ड ईटीएफ अगस्त में निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर रहे. इनमें 2,190 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो आया, जो जुलाई के 1,256 करोड़ रुपये की तुलना में करीब 74% ज्यादा है. इससे यह भी पता चलता है कि सोने की कीमतों में लगातार मजबूती और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौजूदा चुनौतियों के कारण निवेशक गोल्ड को सुरक्षित ऑप्शन मान रहे हैं। इंडेक्स फंड्स और अन्य ईटीएफ का आकर्षण भी बरकरार है। अगस्त में इंडेक्स फंड्स का एयूएम करीब 3.04 लाख करोड़ रुपये और नेट इनफ्लो 1,503 करोड़ रुपये रहा, जबकि अन्य ईटीएफ का एयूएम करीब 8.42 लाख करोड़ रुपये और नेट इनफ्लो 7,244 करोड़ रुपये रहा।

एनएफओ कलेक्शन में भारी गिरावट

जुलाई में म्यूचुअल फंड्स की 30 नई स्कीम्स या न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च हुए थे और उनके जरिये 30,416 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। लेकिन अगस्त में एनएफओ की संख्या घटकर 23 और जुटाई गई रकम सिर्फ 2,859 करोड़ रुपये रह गई।

फोलियो नए रिकॉर्ड पर, कुल एयूएम घटा

इंडस्ट्री का कुल एयूएम अगस्त में 75.19 लाख करोड़ रुपये रहा, जो जुलाई के 75.36 लाख करोड़ रुपये से मामूली रूप से कम है, लेकिन इस दौरान फोलियो की कुल संख्या बढ़कर 24.89 करोड़ हो गई। जुलाई में यह संख्या 24.57 करोड़ थी। यानी निवेशकों के लगभग 32 लाख नए खाते जुड़े, जो यह दिखाता है कि छोटे निवेशक लगातार इस इंडस्ट्री का हिस्सा बन रहे हैं। अगस्त 2025 का महीना इस लिहाज से अहम रहा कि इक्विटी फंड्स में पैसे आते रहे, लेकिन रफ्तार धीमी हुई। फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और लार्ज कैप फंड्स में निवेशकों का भरोसा दिखा, जबकि स्मॉल कैप में सावधानी दिखी। दूसरी ओर, डेट फंड्स ने करारा झटका खाया. हाइब्रिड फंड्स और गोल्ड ईटीएफ निवेशकों को आकर्षित करते रहे।

निवेश का जैकपॉट : कुछ इक्विटी फंड्स ने 10 साल में दिया 533 से 678% तक रिटर्न

लंबी अवधि का मानक 10 साल मानें तो कई इक्विटी म्यूचुअल फंड सबसे बेहतर

सात फंड ऐसे हैं, जिनमें 20% सालाना से अधिक रिटर्न निवेशको को मिला

इन फंड्स को खरीदने वाले निवेशक भी मालामाल, जमकर किया निवेश

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेशक हैं या निवेश करने जा रहे हैं तो एक बार बाजार के बारे में रिसर्च जरूर कर लें। इससे आपको निवेश में आसानी रहेगी और पैसे का नुकसान नहीं होगा। बाजार में पैसा लगाने से पहले अपनी रिस्क क्षमता और लक्ष्य को जान लें। इसके बाद निवेश करेंगे जो मुनाफे में ही रहेंगे। म्यूचुअल फंड में निवेश करने जा रहे हैं तो हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें। म्यूचुअल फंड लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे अच्छे विकल्पों में एक माने जाते हैं। निवेश की अवधि जितना अधिक होगी, कंपाउंडिंग का उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। लंबी अवधि का मानक 10 साल मानें तो कई इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम निवेशकों के लिए जैकपॉट साबित हुई हैं। इनमें से 7 फंड तो ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से अधिक रिटर्न मिला है। इनका 10 साल में एबसॉल्यूट रिटर्न 533 से 678 फीसदी रहा है। इसका मतलब है कि इन्होंने इस अवधि में निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना बढ़ा दिया। हमने इस रिपोर्ट में ईटीएफ को शामिल नहीं किया है।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने जा रहे हैं तो हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें

●

बाजार में पैसा लगाने से पहले अपनी रिस्क क्षमता और लक्ष्य को पहचान लें

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 22.78% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,78,532 रुपये (7.79 लाख)
- रेटिंग : 5 स्टार
- कुल एसेट्स : 64,821 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.64% (31 अगस्त, 2025)

क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 5 साल का रिटर्न : 21.86% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,22,124 रुपये (7.22 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 11,396 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.58% (31 अगस्त, 2025)

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.47% सालाना
- लाख निवेश की वैल्यू : 6,43,857 रुपये (6.44 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 36,294 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.69% (31 अगस्त, 2025)

एक्सिस स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.46% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,43,622 रुपये (6.43 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 25,569 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.57% (31 अगस्त, 2025)

इन्वेस्को इंडिया मिड कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.39% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,39,594 रुपये (6.40 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 8,063 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.56% (31 अगस्त, 2025)

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.30% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,34,828 रुपये (6.35 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 35562.96 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.73% (31 अगस्त, 2025)

क्वांट स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.25% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,32,195 रुपये (6.32 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 28,758 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.72% (31 अगस्त, 2025)

क्या हैं इक्विटी फंड

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

1. **लार्ज-कैप फंड**: ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. **मिड-कैप फंड**: ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
3. **स्मॉल-कैप फंड**: ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
4. **सेक्टोरल फंड**: ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

इक्विटी फंड के लाभ

1. **विविधीकरण**: इक्विटी फंड निवेशकों को विविधीकरण का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे वे अपने निवेश को विभिन्न शेयरों में फैला सकते हैं।
2. **पेशेवर प्रबंधन**: इक्विटी फंड पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं, जो निवेशकों के लिए निवेश के निर्णय लेते हैं।
3. **लिक्विडिटी**: इक्विटी फंड निवेशकों को अपने निवेश को आसानी से बेचने और नकदी प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं।

इक्विटी फंड के जोखिम

1. **बाजार जोखिम**: इक्विटी फंड शेयर बाजार में निवेश करते हैं, जो बाजार की अस्थिरता के कारण जोखिम भरा हो सकता है।
2. **कंपनी-विशिष्ट जोखिम**: इक्विटी फंड विशिष्ट कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो कंपनी-विशिष्ट जोखिमों के अधीन हो सकते हैं।
3. **इक्विटी फंड**: निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है जो शेयर बाजार में निवेश करने के इच्छुक हैं और जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं

करोड़पति बनाने वाली स्कीमों में लोग कर रहे जमकर निवेश, आठ गुणा तक बढ़ा पैसा

सिर्फ 9 साल में छू लिया आसमानी आंकड़ा, 28,265 करोड़ कर डाले निवेश, एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश लगातार बढ़ रहा

अपने पैसे को लोग अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। किसी स्कीम में रिटर्न कम मिलता है तो किसी में ज्यादा। वहीं जो लोग जोखिम लेते हैं, वे एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। यह एक ऐसी स्कीम है जिसमें लगातार छोटी रकम के निवेश से ही व्यक्ति करोड़पति बन सकता है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में हर महीने जमा होने वाला पैसा पिछले नौ सालों में लगभग आठ गुना बढ़ गया है। व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट बताती है कि अगस्त 2016 में एसआईपी के जरिए कुल 3,497 करोड़ रुपये आए थे। अगस्त 2025 तक ये आंकड़ा बढ़कर 28,265 करोड़ रुपये हो गया है। इससे पता चलता है कि निवेशकों का एसआईपी पर भरोसा बढ़ रहा है। वे इसे पैसे बनाने का एक अच्छा तरीका मान रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह लगातार वृद्धि दिखाती है कि एसआईपी में निवेशकों का विश्वास बढ़ रहा है।

कितना रहा रिटर्न : अगस्त 1996 से अगस्त 2025 के बीच एसआईपी से मिलने वाला सबसे ज्यादा रिटर्न 55.6 प्रतिशत रहा। वहीं, सबसे कम रिटर्न -24.6 प्रतिशत रहा। लेकिन अगर औसत रिटर्न की बात करें, तो यह 14-16 प्रतिशत के आसपास रहा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने कितने समय के लिए निवेश किया है।

निवेश का कौन सा समय सही : रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मार्केट में कब निवेश करना है, यह इतना जरूरी नहीं है जितना कि निवेश करते रहना। अगर आपने मार्केट के टॉप पर भी एसआईपी शुरू की थी, तो भी आपको लंबे समय में अच्छा फायदा हुआ होगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी ने जनवरी 2008 में 10,000 रुपये की मंथली एसआईपी शुरू की थी, जो कि ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस से ठीक पहले का समय था, तो भी अगस्त 2025 तक उसका 21.2 लाख रुपये का निवेश बढ़कर 75.23 लाख रुपये हो गया होता। इस पर उसे लगभग 13 प्रतिशत का एक्सआईआरआर मिला होता। एक्सआईआरआर एक तरीका है जिससे पता चलता है कि आपके निवेश पर आपको कितना रिटर्न मिला है।

किस कैटेगरी का कितना रिटर्न : दिलचस्प बात यह है कि रिपोर्ट में यह भी पाया गया है कि मिड-कैप एसआईपी ने लॉन्ग टर्म में लार्ज-कैप और स्मॉल-कैप कैटेगरी से बेहतर रिटर्न दिया है। मिड-कैप एसआईपी का एवरेज रिटर्न 17.4 प्रतिशत रहा, जबकि लार्ज-कैप का 13 प्रतिशत और स्मॉल-कैप का 14.7 प्रतिशत रहा।

पांच लाख की रकम को कैसे करें निवेश कि मिले बढ़िया मुनाफा

अक्सर ज्यादा रिटर्न देने वाले विकल्पों की तलाश में रहते हैं निवेशक

प्लानिंग

बिजनेस डेस्क

अगर आपके पास 5 लाख रुपये हैं और आप इन्हें निवेश करना चाहते हैं तो यह रिपोर्ट आपके लिए बेहतर हो सकती है। देखने में आया है कि भारतीय निवेशक हमेशा सुरक्षित और ज़्यादा रिटर्न देने वाले निवेश विकल्पों की तलाश में रहते हैं। अगर आप भी अपनी एकमुश्त रकम को निवेश करना चाहते हैं और इसके लिए बेहतर ऑप्शन की तलाश में हैं एक बार जरूर देखें की आपके लिए पोस्ट ऑफिस की सकीम बेहतर रहेगी, बैंक की एफडी या फिर डेट फंड इनमें से कहा आपको ज्यादा मुनाफा मिल सकता है। निवेश का चुनाव हमेशा व्यक्ति की फाइनेंशियल कंडीशन, गोल्स और रिस्क सहने की क्षमता पर निर्भर करता है। ऐसे में जब 5 लाख या 10 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश की बात आती है तो लोगों के लिए सही विकल्प चुनना और जरूरी हो जाता है क्योंकि इतनी बड़ी रकम को ऐसे ही कहीं भी निवेश नहीं किया जा सकता। ऐसे में बैंक की तरह पोस्ट ऑफिस एफडी भी वर्षों से सुरक्षित और विश्वसनीय निवेश ऑप्शन रही है। वहीं, हाल के वर्षों में डेट फंड भी एक लोकप्रिय ऑप्शन के तौर पर उभर रहा है। लोग इसे एफडी से बेहतर रिटर्न देने वाला ऑप्शन मानते हैं। आइए समझते हैं कि अगर 5 लाख रुपये का निवेश कहां ज्यादा मुनाफा दे सकता है।

एकमुश्त निवेश के लिए सही विकल्प चुनना बेहद जरूरी **पोस्ट ऑफिस एफडी भी वर्षों से सुरक्षित और विश्वसनीय निवेश ऑप्शन रही** अब हाल के वर्षों में डेट फंड भी लोकप्रिय ऑप्शन के तौर पर उभरा

पोस्ट ऑफिस फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की खासियत

- **सुरक्षा**: ये सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में से एक है क्योंकि ये सरकार द्वारा समर्थित है.
- **निश्चित रिटर्न**: आपको निवेश की शुरुआत में ही ब्याज दर पता चल जाती है, जिससे रिटर्न का अनुमान लगाना आसान हो जाता है।
- **लॉक-इन अवधि**: तमाम टेन्योर के लिए उपलब्ध है, जैसे 1, 2, 3 और 5 साल।
- **रेगुलर ब्याज भुगतान**: आप मासिक, त्रैमासिक या वार्षिक आधार पर ब्याज प्राप्त करना चुन सकते हैं।

5 लाख के निवेश पर कितना होगा मुनाफा

- मान लीजिए कि आप पोस्ट ऑफिस की 5 साल की एफडी में निवेश कर रहे हैं। इस एफडी पर मौजूदा समय में 7.5% ब्याज मिल रहा है। अगर आप 5 लाख रुपये 5 साल के लिए निवेश करते हैं तो आपको 5 साल में 2,24,974 ब्याज मिलेगा और कुल मिलाकर 7,24,974 रुपये मिलेंगे।

डेट फंड की खासियत

- डेट फंड म्यूचुअल फंड की ही एक कैटेगरी है। इसमें खासतौर पर फिक्स्ड-इनकम सिक्योरिटीज जैसे सरकारी बॉन्ड, कॉर्पोरेट बॉन्ड, डिबेंचर, कमर्शियल पेपर और ट्रेजरी बिल में निवेश किया जाता है। इसका रिटर्न मार्केट बेस्ड होता है।
- **डायवर्सिफिकेशन**: डेट फंड तमाम तरह के हैं जैसे- लिक्विड फंड, अल्ट्रा-शॉर्ट ड्यूरेशन फंड, शॉर्ट ड्यूरेशन फंड, मीडियम ड्यूरेशन फंड और लॉन्ग ड्यूरेशन फंड, ऐसे में आपको डायवर्सिफिकेशन का मौका मिल जाता है।
- **लिक्विडिटी**: ये एफडी की तुलना में ज़्यादा लिक्विड होते हैं, क्योंकि आप अपनी यूनिट्स को किसी भी वर्किंग डे पर बेच सकते हैं (कुछ फंडों में एग्जिट लोड हो सकता है)।
- **प्रोफेशनल मैनेजमेंट** : फंड मैनेजर आपके पैसे का प्रबंधन करते हैं, जो बाज़ार की स्थितियों के आधार पर निवेश का फैसला लेते हैं।

5 लाख के निवेश पर रिटर्न

- डेट फंड का रिटर्न प्रदर्शन पर आधारित होता है और फ्यूचर में बदल सकता है। औसतन, कई डेट फंडों ने पिछले कुछ साल में 6-9% का रिटर्न दिया है। मान लीजिए आप 5 लाख रुपये 5 साल के लिए इसमें निवेश करते हैं और उस पर 9% का रिटर्न मिल रहा है तो 2,69,311 रुपये ब्याज के तौर पर मिलेंगे। इस तरह आपको कुल 5,00,000+2,69,312 = 7,69,312 रुपये मिलेंगे। हालांकि ये उदाहरण केवल अनुमानित है, वास्तविक रिटर्न फंड के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

कौन सा विकल्प चुनें?

ये चुनाव आपकी व्यक्तिगत ज़रूरतों पर निर्भर करता है-जैसे जोखिम उठाने की क्षमता, अगर आप बिलकुल भी जोखिम नहीं लेना चाहते और अपनी पूंजी की 100% सुरक्षा चाहते हैं, तो पोस्ट ऑफिस एफडी आपके लिए बेहतर है। अगर आप थोड़ा जोखिम ले सकते हैं और एफडी से ज़्यादा रिटर्न चाहते हैं, तो डेट फंड एक अच्छा विकल्प है।

निवेश की अवधि

छोटी अवधि (3 साल से कम) के लिए, पोस्ट ऑफिस एफडी या शॉर्ट-ड्यूरेशन डेट फंड को देखा जा सकता है. लंबी अवधि (3 साल से ज़्यादा) के लिए, इंडेक्सेशन लाभ के कारण डेट फंड टैक्स के लिहाज से ज़्यादा कुशल और बेहतर रिटर्न दे सकता है।

कोई भी लोन लेने से पहले फायदे और नुकसान को जान लें

फिक्स्ड, फ्लोटिंग या फिर हाइब्रिड होम लोन के लिए कौन-सी ब्याज दर बेहतर, फिक्स्ड रेट वाले लोन तब बेहतर होते जब ब्याज दरें बढ़ रही हों

तैयारी

बिजनेस डेस्क

जब लोन पर घर खरीदने जार रहे हों तो एक बार बैंकों की ब्याज दरों को जांच लें। किसी जानकारी से सलाह ले लें। इससे आपको परेशानी नहीं होगी और आसानी से घर खरीद सकेंगे। अक्सर जब लोग घर खरीदने के लिए होम लोन लेते हैं, तो सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि किस तरह का इंटरेस्ट रेट चुना जाए। फिक्स्ड, फ्लोटिंग और हाइब्रिड तीनों विकल्पों के अपने फायदे और नुकसान हैं। सही चुनाव करने से आपकी ईएमआई और लंबे समय की फाइनेंशियल प्लानिंग पर बड़ा असर पड़ता है। इसलिए इस सवाल का जवाब लोन लेने से पहले ही जान लेंगे तो आसानी रहेगी।

फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट लोन

- फिक्स्ड रेट में आपकी ईएमआई पूरी लोन अवधि या शुरुआती कुछ साल तक एक जैसी रहती है। इसका फायदा यह है कि ब्याज दरें बढ़ने पर भी आपकी ईएमआई नहीं बदलती। इससे आपको हर महीने का खर्च आसानी से मैनेज करने में मदद मिलती है। हालांकि, इसका नुकसान यह है कि अगर ब्याज दरें घट जाएं तो इसका फायदा आपको नहीं मिलेगा। साथ ही, शुरुआती दरें भी अक्सर फ्लोटिंग से ज्यादा होती हैं। यह विकल्प उन लोगों के लिए बेहतर है, जिन्हें स्थिरता चाहिए और ईएमआई में उतार-चढ़ाव नहीं चाहते।

फ्लोटिंग इंटरेस्ट रेट लोन

- फ्लोटिंग रेट आरबीआई की नीतियों और मार्केट की परिस्थितियों के हिसाब से बदलता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि ब्याज दर घटने पर ईएमआई कम हो जाती है। इससे लंबे समय में यह फिक्स्ड से सस्ता साबित हो सकता है। होम लोन लेने वाले ज्यादातर लोग यही विकल्प चुनते हैं। मार्केट की स्थिति अर्थव्यवस्था में महंगाई और ब्याज दरों की दिशा होम लोन पर सीधा असर डालती है। जब महंगाई बढ़ती है तो बैंक ब्याज दरें ऊपर कर देते हैं ताकि जोखिम कम हो। वहीं स्थिर बाजार में ब्याज दरें अक्सर सस्ती हो जाती हैं। इसलिए टाइमिंग भी अहम फैक्टर है। लेकिन, फ्लोटिंग रेट की अपनी खामियां हैं। अगर ब्याज दर बढ़ जाएं तो **EMI** भी बढ़ जाती है। यह आपका पूरा बजट भी बिगाड़ सकती है। यह विकल्प उन लोगों के लिए ज्यादा सही रहता है, जो लंबे समय तक लोन लेने वाले हैं और ईएमआई में उतार-चढ़ाव सह सकते हैं।

हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट लोन

- हाइब्रिड लोन में शुरुआती कुछ सालों तक ईएमआई फिक्स्ड रहती है और उसके बाद यह फ्लोटिंग में बदल जाती है। इस तरह पहले कुछ सालों तक स्थिरता मिलती है और बाद में मार्केट के हिसाब से ब्याज दरें घटने पर फायदा हो सकता है। हालांकि शुरुआती दरें फ्लोटिंग से थोड़ी ज्यादा हो सकती हैं और अगर बाद में ब्याज दरें बढ़ जाएं तो ईएमआई भी बढ़ेगी। यह विकल्प उन लोगों के लिए सही है जो शुरुआत में ईएमआई स्थिर रखना चाहते हैं और आगे चलकर रिस्क लेने को तैयार हैं।

क्या है एक्सपर्ट की राय?

जानकारों का कहना है कि फिक्स्ड रेट वाले लोन तब बेहतर होते हैं जब ब्याज दरें बढ़ रही हों। ये उन लोगों के लिए ठीक हैं जिन्हें स्थिरता चाहिए या लगता है कि दरें आगे और बढ़ेंगी। वहीं, फ्लोटिंग रेट घटती ब्याज दर वाले माहौल में सही रहते हैं। हाइब्रिड होम लोन उन लोगों के लिए होते हैं जो शुरू में कुछ साल तक निश्चित ईएमआई चाहते हैं, लेकिन आगे चलकर बाजार के हिसाब से ब्याज दरों का फायदा उठाना चाहते हैं।लोन की अवधि का असर लोन का टेन्योर जितना लंबा होगा, कुल ब्याज का बोझ उतना ज्यादा होगा। छोटी अवधि का लोन लेने पर ईएमआई थोड़ी बड़ी होगी लेकिन ब्याज की बचत काफी होगी। इसलिए अपनी क्षमता के हिसाब से संतुलित अवधि चुनना बेहतर रहता है।

लोन लेने की लागत स्थिर

अभी की स्थिति देखें तो लोन लेने की लागत स्थिर हो रही है। आरबीआई की ओर से रेपो रेट में हालिया कटौतियों से ग्राहकों का भरोसा भी बढ़ा है। इस समय फ्लोटिंग रेट होम लोन की ब्याज दर अपेक्षाकृत कम हैं। इसलिए यह उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प है जो कुल ब्याज खर्च घटाना चाहते हैं।'होमबायर्स को आखिरी फैसला लेने से पहले कुछ बातों पर जरूर विचार करना चाहिए। जैसे कि अभी अलग-अलग लोन ऑप्शन पर ब्याज दर में कितना फर्क है और लोन अवधि कितनी लंबी है। अगर लोन लंबे समय के लिए है तो फ्लोटिंग रेट से फायदा हो सकता है, क्योंकि आगे चलकर अगर दरें घटती हैं तो कुल ब्याज का बोझ कम होगा।

ऐसे कर सकते हैं प्लानिंग

- 1. **वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन** : अपनी वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करें और देखें कि आप कितना होम लोन ले सकते हैं। अपनी आय, व्यय, और बचत को ध्यान में रखें।
- 2. **होम लोन की आवश्यकता** : अपने होम लोन की आवश्यकता को निर्धारित करें। आपको कितनी राशि की आवश्यकता है? आप कितने समय में लोन चुकाना चाहते हैं?
- 3. **ब्याज दरें और शर्तें** : विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दरें और शर्तें तुलना करें। सबसे अच्छा विकल्प चुनें जो आपकी आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- 4. **लोन की अवधि** : लोन की अवधि का चयन करें जो आपकी वित्तीय स्थिति के अनुसार उपयुक्त हो। लंबी अवधि के लोन में मासिक किस्त कम होती है, लेकिन कुल ब्याज अधिक होता है।
- 5. **प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क** : प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को ध्यान में रखें। ये शुल्क आपके लोन की कुल लागत को बढ़ा सकते हैं।
- 6. **क्रेडिट स्कोर** : अपने क्रेडिट स्कोर को जांचें और सुनिश्चित करें कि यह अच्छा है। एक अच्छा क्रेडिट स्कोर आपको बेहतर ब्याज दरों और शर्तों के लिए योग्य बना सकता है।
- 7. **विकल्पों की तुलना** : विभिन्न होम लोन विकल्पों की तुलना करें और सबसे अच्छा विकल्प चुनें जो आपकी आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- 8. **वित्तीय सलाहकार से परामर्श** : यदि आवश्यक हो, तो वित्तीय सलाहकार से परामर्श लें। वे आपको होम लोन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान कर सकते हैं और आपको सबसे अच्छा विकल्प चुनने में मदद कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

समूह बनाकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं

सोनीपत। कृषि विज्ञान केंद्र, जगदीशपुर में फसल अवशेष प्रबंधन के तहत कृषि यंत्रों का योगदान विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वैज्ञानिक डॉ. जेएस बामल ने बताया कि फसल अवशेष जलाना वातावरण, मृदा, स्वास्थ्य व जीव जंतुओं के लिए हानिकारक है। परियोजना समन्वयक डॉ. कुलदीप दहिया ने बताया कि मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए कृषि यंत्रों की मदद से फसल अवशेष को खेत में दबाया जा सकता है।

दोदवा के विनोद का दिव्यांग क्रिकेट टीम में चयन

सोनीपत। सोनीपत जिले के गांव दोदवा के विनोद कुमार ने एक बार फिर जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनका चयन भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम में हुआ है, जो आगामी 21 सितम्बर से 27 सितम्बर 2025 तक हैदराबाद में आयोजित होने वाली राजीव गांधी चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेगी।
विनोद कुमार कई बार भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और वर्तमान में हरियाणा दिव्यांग क्रिकेट टीम के नियमित खिलाड़ी हैं। वह शुगर मिल में कार्यरत हैं।

हिंदी दिवस पर दोहा लेखन प्रतियोगिता

सोनीपत। हिन्दी दिवस के अवसर पर छोटूराम आर्य महाविद्यालय सोनीपत के हिन्दी विभाग द्वारा दोहा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्राचार्य डॉ. जितेन्द्र फोर के सान्निध्य में किया गया। छात्रों ने प्रतियोगिता में बढ़चढ़ हिस्सा लिया। किसी छात्र ने कबीर के दोहे, किसी ने रहीम के दोहे तो वहीं किसी ने अपनी प्रतिभा का श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्वयं रचित दोहे भी लिखे। इस अवसर पर हिन्दी विभाग की सभी प्राध्यापिकाएं उपस्थित रही।

टूटी सड़कों पर हेल्मेट पहनकर किया प्रदर्शन

सोनीपत। आम आदमी पार्टी हरियाणा के सोनीपत लोकसभा क्षेत्र अध्यक्ष एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेन्द्र गौतम ने शहर की जर्जर सड़कों पर गहरे गड्ढों में बैठकर अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये खर्च कर बनी सड़कें दो साल भी नहीं टिक पाईं और आज खस्ताहाल हो चुकी हैं।
गौतम ने सरकार और प्रशासन से सवाल किया कि घटिया निर्माण सामग्री की जिम्मेदारी कौन लेगा और ठेकेदारों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है।

प्रतिभागी छात्राओं ने हिंदी देश की आन-बान-शान पर विचार व्यक्त किए

हिंदी दिवसः स्कूलों में प्रतियोगिताएं आयोजित, विजेता किए सम्मानित

हिंदी भाषा का ज्यादा प्रयोग करने के लिए किया प्रेरित

टीकाराम कन्या कॉलेज में भाषण प्रतियोगिता में छाया प्रथम, तनिशा द्वितीय

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

टीकाराम कन्या महाविद्यालय में शनिवार को हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर हिंदी विभाग द्वारा हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें कॉलेज छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। कॉलेज प्राचार्या गीता ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभआरंभ किया व छात्राओं को हिंदी भाषा के महत्व को अवगत कराया। साथ ही छात्राओं को हिंदी भाषा का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतिभागी छात्राओं ने हिंदी की महत्ता, रोजगार के क्षेत्र में हिंदी के बढ़ते कदम, राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी देश की आन बान शान पर विचार व्यक्त किए। निर्णायक मंडल में डॉ. आशा रानी व डॉ. प्रवेश रापड़िया रही। छात्रा छाया (एमए इतिहास प्रथम वर्ष) ने प्रथम तनिशा व कोमल ने द्वितीय तथा निशु व सोनल ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। नैंसी व निशिता को सांत्वना पुरस्कार मिला। कॉलेज प्राचार्या व समस्त हिंदी विभाग ने विजेता छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मंच संचालन डॉ. नीलम दहिया ने किया।

सोनीपत। विजेता विद्यार्थियों के साथ प्राचार्या एवं अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

खरखौदा। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी शिक्षकों के साथ। *फोटो :हरिभूमि*

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में हिंदी दिवस के महत्व को स्लोगन के माध्यम से प्रदर्शित करती छात्राएं। *फोटो :हरिभूमि*

हिंदी भाषा ने स्वतंत्रता दिलाने में निभाई अहम भूमिका

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में हिंदी दिवस बड़े उत्साह और ऊर्जा के साथ मनाया गया। इस मौके पर स्कूल में क्विज, भाषण, स्लोगन लेखन, कविता पाठ व निबंध प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए अपनी प्रतिभा का जीवंत प्रदर्शन किया। समारोह में शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने संकल्प लिया कि वे मातृभाषा हिंदी को सम्मान दिलाने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे। स्कूल की प्राचार्या गीता चोपड़ा व उप प्राचार्या रूना दास ने दीप प्रज्वलित कर हिंदी दिवस समारोह का शुभारंभ किया और सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी। प्राचार्या गीता चोपड़ा ने कहा कि हिंदी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि हम अपनी मातृभाषा को गौरव प्रदान करें और उसके प्रयोग को बढ़ावा दें।

निबंध लेखन में अंजली प्रथम

खरखौद। शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय पीपली में प्राचार्या डॉ तराना नेगी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के लिए हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष में कविता वाचन प्रतियोगिता एवं अंग्रेजी विभाग द्वारा सोशल मीडिया का विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर निबंध लेखन का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का आयोजन सहायक प्राध्यापक डॉ रजनेश व डॉ बीना की देखरेख में किया गया। जिसमें लगभग पैंतीस विद्यार्थियों ने भाग लिया। निर्णायक मंडल की भूमिका सहायक अध्यापिका मनोविज्ञान गीता शर्मा, डॉ संगीता मान व डॉ योगेन्द्र द्वारा निभायी गई। निबंध लेखन प्रतियोगिता में अंजली ने प्रथम,आयुष ने द्वितीय व दीपांशु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कविता वाचन में बेबी ने प्रथम, दीपांशु ने द्वितीय , दीपांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

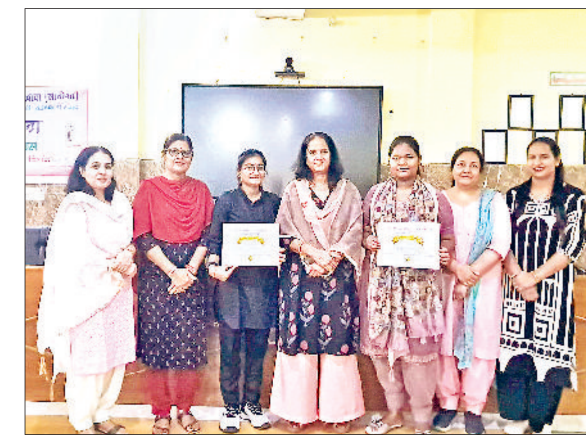

खरखौदा। छात्राओं को सम्मानित करते इंचार्ज किरण सरोहा। *फोटो :हरिभूमि*

हिंदी निबंध लेखन में खुशबू व पोस्टर मेकिंग में आंचल प्रथम

- हिंदी साप्ताहिक कार्यक्रम छात्राओं के कौशल में सुधार और वृद्धि करने वाला रहा : सरोहा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| खरखौदा

कन्या महाविद्यालय खरखौदा में प्राचार्या डॉ. तराना नेगी के निर्देशन और इंचार्ज डॉ. किरण सरोहा के नेतृत्व में हिंदी विभाग द्वारा 8 से 13 सितंबर के बीच आयोजित हिंदी साप्ताहिक कार्यक्रमों का शनिवार को हिंदी विभाग प्रभारी डॉ. प्रमिला के नेतृत्व में समापन किया गया। समापन पर छात्राओं ने हिंदी भाषण और हिंदी कविता पाठ में भाग लिया। साप्ताहिक कार्यक्रमों में महाविद्यालय की बीए, बीसीए तथा एमए भूगोल की छात्राओं ने हिंदी निबंध लेखन, मुहावरा लेखन, नारा लेखन, पोस्टर बनाओ, कहानी वाचन तथा हिंदी कविता पाठ और भाषण प्रतियोगिताओं में उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. किरण सरोहा ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी विभाग द्वारा आयोजित किया गया यह हिंदी साप्ताहिक कार्यक्रम वास्तव में ही छात्राओं के विभिन्न कौशलों में सुधार एवं वृद्धि करने वाला तथा उनके व्यक्तित्व में विकास का भी महत्वपूर्ण माध्यम रहा है। छात्राओं ने विभिन्न क्रियात्मक और रचनात्मक स्पर्धाओं में भागीदारी करके इस कार्यक्रम को सफल बनाया है। हिंदी साप्ताहिक कार्यक्रम में हिंदी मुहावरा लेखन में डॉ.सीमांत ने निर्णायक की भूमिका निभाई, हिंदी पोस्टर तथा कहानी वाचन में डॉ.सारिका तथा हिंदी निबंध, स्लोगन लेखन, कविता तथा भाषण में ममता ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिताओं में हिंदी निबंध लेखन में खुशबू, पोस्टर मेकिंग में आंचल, नारा लेखन में तनु दहिया, हिंदी मुहावरा लेखन में तनुशा, कहानी वाचन में मुस्कान, हिंदी भाषण और कविता पाठ में जैस्मिन प्रथम रही। सभी छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रताप स्कूल की निशिता सिंह स्टेट संभाव ओलम्पियाड में तृतीय रही

हरिभूमि न्यूज ▸▸| खरखौदा

प्रताप स्कूल खरखौदा की प्रतिभावान छात्रा निशिता सिंह ने स्टेट संभाव ओलम्पियाड में तीसरा स्थान प्राप्त कर सोनीपत जिले और विद्यालय का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता मानवता और नैतिक शिक्षा पर आधारित थी, जिसका आयोजन स्टेट सतयुग दर्शन ट्रस्ट द्वारा फरीदाबाद में किया गया। निशिता को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 2100 रुपये नकद पुरस्कार एवं मैरिट प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रांगण में उनके सम्मान में आयोजित स्वागत समारोह में संस्थापक सतप्रकाश नम्बरदार, प्राचार्या दया दहिया तथा अध्यापिका विनोद बाल्याण ने निशिता का अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्राचार्या दया दहिया ने कहा कि निशिता ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि बच्चों को उचित मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और अवसर मिले, तो वे हर क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। निशिता की इस उपलब्धि के पीछे उसकी कड़ी मेहनत, परिवार का सहयोग और शिक्षकों का मार्गदर्शन है।

खरखौदा। निशिता को सम्मानित करते हुए स्कूल संस्थापक।

इंडियन स्कूल का ओवरऑल चैंपियनशिप पर कब्जा

सीबीएसई नॉर्थ जोन-II जूडो चैंपियनशिप का सफल समापन

- हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश व जम्मू से 600 ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

इंडियन स्कूल सोनीपत में 5 से 7 सितम्बर तक आयोजित सीबीएसई नॉर्थ जोन-II जूडो चैम्पियनशिप का सफल समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और जम्मू से लगभग 600 जूडो खिलाड़ियों ने भाग लिया। शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडियन स्कूल सोनीपत ने 9 स्वर्ण, 2 रजत और 6 कांस्य पदक जीतकर ओवरऑल चैम्पियनशिप अपने नाम की। इसमें अंडर-11 वर्ग में अंश (25 किग्रा, स्वर्ण), हर्स्वी (25 किग्रा, स्वर्ण), काव्या (-30 किग्रा, रजत), रेहा (40 किग्रा, रजत), भूमिका (35 किग्रा, कांस्य) और शिवांस (40 किग्रा, कांस्य) ने पदक जीते। अंडर-14 वर्ग में पावनी (36 किग्रा, स्वर्ण) और आयुष्मान (35 किग्रा, कांस्य) ने स्कूल का मान बढ़ाया। अंडर-17 वर्ग में सृष्टि (57 किग्रा, स्वर्ण), अंश (50 किग्रा, स्वर्ण), गर्वनीत (55 किग्रा, स्वर्ण), लवनीत (63 किग्रा, कांस्य), शौर्य (66 किग्रा, कांस्य) और तपस्वी (60 किग्रा, कांस्य) ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं अंडर-19 वर्ग में ईशान ने 81 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय, जिला, माता-पिता और कोच का नाम रोशन किया। विद्यालय प्राचार्य राजेन्द्र सिंह ने विजेता खिलाड़ियों और जूडो कोच सतपाल गुलिया को बधाई दी और विश्वास जताया कि ये जूडो खिलाड़ी नेशनल स्तर पर भी चमक बिखेरेंगे। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक नीलम, भूपेन्द्र सांगवान, सुरेन्द्र शास्त्री व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

सोनीपत। विजेता खिलाड़ियों के साथ विद्यालय प्रबंधक एवं अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

सरकार ने जारी किया ये आदेश

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कॉलेज सोनीपत में राज्य स्तरीय साहित्य महोत्सव साहित्य के रंग 25 का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक संगीता शर्मा रहीं। आयोजन की शुरुआत प्राचार्या डॉ. मंजुला स्पाह ने दीप प्रज्वलन से की। कार्यक्रम में कविता पाठ, वाद-विवाद, हरियाणवी कविता, उर्दू कविता, संस्कृत श्लोकोच्चारण और भाषण जैसी प्रतियोगिताएं करवाई गईं। निर्णायक मंडल में कमलेश चोपड़ा, रोजी चोपड़ा, अर्चना कक्कड़, डॉ. वंदना मलिक, रोहिणी मदन और डॉ. नवीन कुमारी शामिल रहे। विजेताओं में अंग्रेजी कविता पाठ में तनवी ग्रोवर, हिंदी कविता में काजल और नितिन, संस्कृत श्लोक में सलोनी, संस्कृत डिक्लेमेशन में प्रिया, उर्दू कविता में नैना, हरियाणवी कविता में नितिन और जतिन, हिंदी डिबेट (फॉर द मोशन) में प्रिया तथा हिंदी डिबेट (एगेंस्ट द मोशन) में जतिन प्रथम स्थान पर रहे। इस मौके पर जीवीएम संस्थाओं के प्रधान डॉ. ओपी परुथी, प्राचार्या डॉ. मंजुला स्पाह, उप प्राचार्य डॉ. सुमन नासा, मोनिका वर्मा, अर्चना खुराना, बबीता आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। विजेताओं को सम्मानित करती प्राचार्या एवं अतिथिगण।

खरखौदा। लोक अदालत में मामले को निपटाते माननीय न्यायाधीश।

सौ से अधिक मामले निपटाए

खरखौदा। राष्ट्रीय लोक अदालत अभियान के दौरान खरखौदा न्यायालय में भी सीनियर डिवीजन न्यायाधीश माननीय विक्रांत ने लोक अदालत लगाई। जिसमें 100 से अधिक मामलों का निपटारा मौके पर ही किया गया। इस मामले में जिन लोगों के चालान ड्रिंक एंड ड्राइव के तहत थे, उन्हें कम राहत मिली है, क्योंकि उनकी लापरवाही के कारण सड़क दुर्घटना हो सकती थी और बड़ा हादसा भी हो सकता था। इसीलिए उनको चेतावनी भी दी है कि अगर ड्रिंक एंड ड्राइव वाले चालक का दोबारा से ड्रिंक एंड ड्राइव का चलान आता है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है। उन्हें राहत नहीं मिलेगी। इसीलिए जब भी कोई चालक शराब के नशे में है तो वह गाड़ी को बिल्कुल भी ना चलाएं, क्योंकि इसमें उसकी जान का खतरा है और जो रास्ते में राहगीर है या दूसरे वाहन चालक है उनकी जान का खतरा बना रहता है।

हिंदी हमारी सांस्कृतिक धरोहरः शर्मा

गोहाना। जवाहरलाल नेहरू वमावि (जेएलएन) गोहाना में शनिवार को हिंदी दिवस मनाया । समारोह में गुरु और शिष्यों ने हिंदी को बढ़ावा देने व इसके संरक्षण का संकल्प लिया। मुख्य वक्ता विद्यालय के एमडी सुनील शर्मा ने कहा कि हिंदी हमारी सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न अंग है और इसका संरक्षण करना हमारा दायित्व है। हिंदी दिवस हमें भाषाई एकता और राष्ट्रीय एकता के महत्व को समझने का अवसर प्रदान करता है। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने और इसके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सब की है। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने की। संयोजन उप प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा का रहा। हिंदी प्राध्यापक सुशील मलिक, अध्यापिका शांति देवी, विनू और मधुबाला ने हिंदी विषय पर विस्तृत जानकारी दी।

गोहाना। विद्यार्थियों को हिंदी भाषा का महत्व समझाते शिक्षकगण।

गोहाना। विजेता विद्यार्थी अपने गुरुजनों के साथ। *फोटो :हरिभूमि*

निबंध लेखन में अमन प्रथम

गोहाना। गांव बड़ौता स्थित राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को हिंदी दिवस मनाया गया। महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विषय संबंधित निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ने की। संयोजन हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ. मीना देवी ने की। हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में बीए द्वितीय वर्ष के छात्र अमन अव्वल रहे। दूसरा स्थान बीए प्रथम वर्ष के छात्र दीपेंद्र ने प्राप्त किया और तीसरे स्थान पर बीए द्वितीय वर्ष के छात्र अंकुश रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. सरिता मलिक, डॉ. विनोद कुमार और डॉ. मीना देवी शामिल रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को हिंदी दिवस का महत्व समझाया गया।

कमल कप क्रिकेट टूर्नामेंटः गन्नौर ने सोनीपत तो खरखौदा ने राई को हराया

गन्नौर और खरखौदा के बीच होगा फाइनल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

राई स्पोर्ट्स स्कूल व मोतीलाल नेहरू खेल विश्वविद्यालय के मैदान में शनिवार को ''कमल कप क्रिकेट टूर्नामेंट'' का भव्य आयोजन किया गया। टूर्नामेंट का शुभारंभ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि युवा खेलों के माध्यम से नशा से दूर रहकर देशहित में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि नायब सरकार की बेहतर खेल नीति के कारण आज हरियाणा खेलों का हब बन चुका है और राज्य के खिलाड़ी ओलंपिक सहित राष्ट्रीय स्तर पर देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। टूर्नामेंट में सोनीपत की चार विधानसभाओं के भाजपा कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में सांसद कार्तिकेय शर्मा, विधायक निखिल मदान, विधायक पवन खरखोदा, विधायक कृष्णा गहलावत, मेयर राजीव जैन, पूर्व प्रत्याशी देवेंद्र कौशिक, जिला प्रभारी सतीश नांदल सहित कई नेता मौजूद रहे। दिन के पहले मैच में गन्नौर कमल ने सोनीपत कमल को 3 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरे मुकाबले में राई कमल ने 128 रन बनाए, लेकिन खरखोदा कमल ने शानदार बल्लेबाजी कर मात्र 15 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर 5 विकेट से जीत दर्ज की। नवीन बरोना ने 71 रन की नाबाद पारी खेली और मैन ऑफ द मैच बने। वहीं राई कमल के कपिल कौशिक ने हैट्रिक लेकर प्लेयर ऑफ द मैच ट्रॉफी हासिल की।

सोनीपत। टूर्नामेंट के शुभारंभ मौके पर पहुंचें भाजपा प्रदेशाध्यक्ष साथ में अन्य।

ये रहे मौजूद

खास बात यह रही कि गन्नौर की तरफ से सांसद कार्तिकेय शर्मा मैदान पर उतरे तो सोनीपत की ओर से विधायक निखिल मदान खेले। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में रविवार को खरखोदा कमल और गन्नौर कमल की टीमें आमने-सामने होंगी। विजेता टीम को आकर्षक इनाम दिए जाएंगे तथा सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। टूर्नामेंट में जिला महामंत्री तरुण देवीदास, नीरज कुमार, जिला मीडिया प्रभारी दिनेश अत्री, सोनिया मोर, आरती शर्मा, मोनू राठधना, किशोर वशिष्ठि, वीरेंद्र कौशिक, हरदीप सिंह, हरिओम शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

साउथ पॉइंट स्कूल में शनिवार को हिंदी दिवस बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर विद्यालय में विभिन्न सांस्कृतिक व शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया। अंतरसदनीय भाषण, कथा वाचन, हिंदी प्रश्नोत्तरी, गायन और नृत्य प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इन प्रतियोगिताओं में विजयी रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते कहा कि हिंदी हमारी संस्कृति, इतिहास और संस्कारों की पहचान है। यह राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने की शक्ति रखती है। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री ने कहा कि हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। प्रतियोगिताओं ने विद्यार्थियों के ज्ञान और प्रतिभा को सामने लाने का कार्य किया है। वाइस चेयरपर्सन वर्तिका खत्री ने अपने विचार साझा करते कहा कि हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हमारी जड़ों से जुड़ने का अवसर है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी भावना और कार्यकारी निदेशक डा. ममता ने संयुक्त रूप से कहा कि कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारते है।

सोनीपत। प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थी प्रमाण पत्र दिखाते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

खबर संक्षेप

नई अनाज मंडी में 17 को होगा विश्वकर्मा पूजन

गन्नौर। समस्त विश्वकर्मा राज मिस्त्री एकता समिति गन्नौर की बैठक रेलवे रोड स्थित जनता स्कूल रोड स्थित एक कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के प्रधान सतीश जांगड़ा ने की। सतीश जांगड़ा ने बताया कि 17 सितंबर को शहर की नई अनाज मंडी में विश्वकर्मा पूजन का आयोजन किया जाएगा। पूजन कार्यक्रम में विधायक देवेंद्र कादियान बतौर मुख्यातिथि जबकि नपा अध्यक्ष अरुण त्यागी विशिष्ट अतिथि के रुप में शिरकत करेंगे। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

पार्टी से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

सोनीपत। जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे दिल्ली निवासी युवक की देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई। युवक अपने दोस्तों संग मुरथल में जन्मदिन की पार्टी मनाने आया था, जहां शराब पीने के बाद सभी वापस लौट रहे थे। कुंडली में टोल कर्मियों के साथ झगड़ा होने पर टैक्सी चालक ने युवकों को सडक़ पर उतार दिया। इसी दौरान युवक वाहन की चपेट में आ गया।

दिल्ली के जहांगीरपुरी स्थित जल बोर्ड प्लांट क्षेत्र निवासी नवीन कुमार ने कुंडली पुलिस को बताया कि उनका भाई हर्ष बुराड़ी डिपो में कर्मचारी था।

तीन किलो गांजे सहित तस्कर गिरफ्तार

गन्नौर। गांव घसौली के युवक सुनील उर्फ मिश्रा को क्राइम यूनिट खरखौदा पुलिस ने गुप्त सूचना पर एक युवक को तीन किलो गांजे के साथ काबू किया है। क्राइम यूनिट टीम ने आरोपित के खिलाफ थाना बड़ी में केस दर्ज करवाया है। शिकायत अनुसार क्राइम यूनिट खरखौदा पुलिस टीम गश्त पर थी, तभी सूचना मिली कि पिपली खेड़ा मोड़ के पास एक युवक नशीला पदार्थ लेकर खड़ा है। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची और युवक को पकड़ लिया। नियमानुसार जांच में उसके बैग से तीन किलो अवैध गांजा बरामद हुआ।

दशहरा और दिवाली पर ट्रेनों में भीड़ कम करने की कोशिश

तोहफा : मऊ से अंबाला कैंट तक चलेगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दशहरा और दिवाली जैसे प्रमुख त्यौहारों के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने यात्रियों को बड़ी राहत दी है। इसके तहत मऊ जंक्शन (उत्तर प्रदेश) से दिल्ली और सोनीपत के रास्ते अंबाला कैंट तक साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जाएगा। यह ट्रेन 2 अक्तूबर से 28 नवंबर तक कुल 18 फेरे लगाएगी।

उत्तर रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 05301 प्रत्येक वीरवार को सुबह 4 बजे मऊ जंक्शन से रवाना होगी और रात 12:30 बजे अंबाला कैंट पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 05302 प्रत्येक शुक्रवार को रात 1:40 बजे अंबाला कैंट से रवाना होकर रात 10 बजे मऊ जंक्शन पहुंचेगी। इस ट्रेन का 16 प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव तय किया गया है। त्यौहारों पर अपने घरों को लौटने वाले प्रवासी लोगों के साथ-साथ दैनिक यात्रियों को भी इस ट्रेन से बड़ी सुविधा मिलेगी। खासकर उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा में कार्यरत वे लोग, जो त्योहारों पर अपने परिजनों के पास जाना चाहते हैं, उन्हें इस ट्रेन से सुरक्षित और सहज यात्रा का अवसर मिलेगा।

16 स्टेशनों पर 2-2 मिनट रूकेगी

एसी, स्लीपर व सामान्य डिब्बों वाली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का मार्ग में सोनीपत सहित 16 स्टेशनों पर दो मिनट का ठहराव निर्धारित किया गया है। ट्रेन मऊ जंक्शन से चलकर बेल्थारा, भटनी, देवरिया सदर, गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, मनकापुर, गोंडा, बुढ़वाल, सीतापुर, बरेली, मुरादाबाद, गाजियाबाद, दिल्ली, सोनीपत, पानीपत होते हुए अंबाला कैंट में अपनी यात्रा संपन्न करेगी। स्पेशल ट्रेन के संचालन का लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के साथ दिल्ली-अंबाला रूट के दैनिक यात्रियों को भी फायदा मिलेगा।

ये रहेगा शेड्यूल

ट्रेन संख्या 05301 (मऊ से अंबाला कैंट)
प्रस्थानः हर गुरुवार सुबह 4:00 बजे (मऊ जंक्शन)
आगमनः रात 12:30 बजे (अंबाला कैंट)

ट्रेन संख्या 05302 (अंबाला कैंट से मऊ)
प्रस्थानः हर शुक्रवार रात 1:40 बजे (अंबाला कैंट)
आगमनः रात 10:00 बजे (मऊ जंक्शन)
अवधिः 2 अक्तूबर से 28 नवंबर तक
फेरेः दोनों ओर से कुल 18 है।

रेलवे बेहतर सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध

त्योहारों के समय यात्रियों की सबसे बड़ी समस्या भीड़ और टिकट की उपलब्धता होती है। ऐसे में अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन चलाकर यात्रियों की परेशानी को कम करने का प्रयास किया गया है। रेलवे हमेशा से यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध है और त्योहारी सीजन को देखते हुए यह निर्णय यात्रियों के लिए बड़ी राहत साबित होगा।

हिमांशु शेखर, उपाध्याय, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर रेलवे।

ओल्ड डीसी रोड व दयाल चौक-शनि मंदिर मार्ग का होगा पुनर्निर्माण

लोक निर्माण विभाग ने जारी किया टेंडर, 3.73 करोड़ रुपये होंगे खर्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत शहरवासियों की लंबे समय से चली आ रही परेशानी अब खत्म होने जा रही है। लोक निर्माण विभाग ने शहर की सबसे खराब हो चुकी ओल्ड डीसी रोड के पुनर्निर्माण का टेंडर जारी कर दिया है। इसके साथ ही दयाल चौक से शनि मंदिर मार्ग की मरम्मत भी करवाई जाएगी। दोनों सड़कों पर करीब तीन करोड़ 73 लाख रुपये की लागत आएगी। करीब एक वर्ष से मामा भांजा चौक से आईटीआई चौक तक ओल्ड डीसी रोड जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हो चुकी थी।

पानी निकासी की समस्या का भी होगा समाधानः मेयर

दीपक मंदिर से मामा भांजा चौक तक सीवर लाइन बिछाने के बाद स्थिति और बिगड़ गई। नगर निगम ने बरसात से पूर्व गड्ढे भरवाने का प्रयास भी किया, लेकिन सड़क पर हालत जस की तस बनी रही। टूटी सड़क के कारण आए दिन दोपहिया वाहन और ई-रिक्शा पलटने से लोग घायल हो रहे थे। स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों ने कई बार रोष प्रदर्शन भी किया। नगर निगम और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने हालात का जायजा लेने के बाद एस्टीमेट तैयार किया और अब काम शुरू करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। मेयर राजीव जैन ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। इसमें रोड़ी बिछाकर मास्टिक की लेयर डाली जाएगी। काम से पहले नालों की सफाई और पानी की निकासी की समस्या का समाधान भी किया जाएगा, ताकि सड़क बार-बार न टूटे। कई दौर की बैठकों के बाद ही निर्माण कार्य को सिरे चढ़ाने का फैसला लिया गया है।

आईएमटी में रोपे बीस हजार पौधे

खरखौदा। वन महोत्सव के अन्तर्गत आईएमटी खरखौदा में 21000 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। डीएफओ रेनू बाला के नेतृत्व में शनिवार तक 20000 पौधे लगाए जा चुके हैं। बाकी 1000 पौधे पानी सूखने के बाद लगाए जाएंगे। इस अभियान के तहत पौधों की सुरक्षा के लिए कांटेदार तार लगाए गए हैं। खंड खरखौदा वन अधिकारी भगत सिंह ने बताया कि वन महोत्सव का उद्देश्य वृक्षारोपण को बढ़ावा देना और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है। वृक्षारोपण के माध्यम से वन्यजीवों के आवास को संरक्षित करना और जैव विविधता को बढ़ावा देना। पेड़ मृदा अपरदन को रोकते हैं और भूजल स्तर को बनाए रखने में मदद करते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाना चाहिए। स्थानीय समुदायों में रैलियाँ और जागरूकता अभियान आयोजित करना। पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के महत्व पर चर्चा करना, उनके उद्देश्यों में शामिल है।

सितंबर माह बने आकाशीय घटनाओं का गवाह, 21 को लगेगा सूर्य ग्रहण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सितंबर का महीना इस बार आकाशीय घटनाओं का अद्भुत गवाह बन रहा है। 7 सितंबर को चंद्रग्रहण के दौरान पूरी दुनिया ने चांद का लाल रूप देखा, जिसे भारत में भी साफ-साफ निहारा गया। अब कुछ ही दिनों में सूर्यग्रहण का दुर्लभ नजारा सामने आने वाला है। सनातन परंपरा की दृष्टि से यह पखवाड़ा बेहद खास माना जा रहा है। इस वर्ष पितृपक्ष की शुरुआत चंद्रग्रहण से हुई और समापन सूर्यग्रहण पर होगा। खास बात यह भी है कि सूर्यग्रहण के समाप्त होते ही शरदीय नवरात्र का शुभारंभ होगा। इसे अत्यंत महत्वपूर्ण खगोलीय और धार्मिक घटना के रूप में देखा जा रहा है।

इक्विनॉक्स से पहले घटित होगा ग्रहण

यह सूर्यग्रहण सितंबर इक्विनॉक्स से ठीक पहले घटित होगा। इक्विनॉक्स यानी वह समय जब सूर्य भूमध्य रेखा के ऊपर होता है और पूरी पृथ्वी पर दिन और रात की अवधि लगभग बराबर होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ग्रहण राहु-केतु जैसे अशुभ ग्रहों के कारण होता है और इस दौरान शुभ कार्य नहीं किए जाते। मंदिरों के कपाट भी बंद रखे जाते हैं। हालांकि आचार्य मिश्रा का कहना है कि भारत में यह ग्रहण दिखाई नहीं देगा, इसलिए यहां इसका सूतक काल या धार्मिक प्रभाव मान्य नहीं होगा। भारतवासियों के लिए यह एक सामान्य दिन ही रहेगा।

ये रहेगा सूर्य ग्रहण का समय

आचार्य मनमोहन मिश्रा के अनुसार सूर्यग्रहण 21 सितंबर को रात 11 बजे शुरू होगा और 3 बजकर 23 मिनट तक चलेगा। इसकी कुल अवधि चार घंटे से अधिक रहेगी। न्यूज़ीलैंड, पूर्वी ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण प्रशांत के कुछ हिस्सों में यह सूर्योदय के समय दिखाई देगा, लेकिन भारत और उत्तरी गोलार्ध के अधिकतर हिस्सों में यह अदृश्य रहेगा।

छात्राओं ने रूसी संस्कृति की जानकारी की प्राप्त

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में क्रिएटिव कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में आज रेजिडेंस छात्राओं के लिए एक क्रिएटिव कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में रूसी भाषा और संस्कृति के दर्शन के रूप में मैट्रियोश्का डिजाइन (रूस की पारम्परिक लकड़ी की गुड़िया) पर कार्य किया गया। यह कार्यशाला ऑफिस ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स, चीफ वार्डन ऑफिस और विदेशी भाषा विभाग के संयुक्त प्रयास से आयोजित की गई। रूसी शिक्षिका नयोझदा ने कहा कि मैट्रियोश्का (जिसे रुस्सियन नेस्टिंग डॉल भी कहा जाता है) की खासियत यह है कि एक बड़ी गुड़िया के अंदर उसी जैसी लेकिन छोटी-छोटी गुड़िया रखी होती हैं। यानी एक गुडिय़ा के भीतर दूसरी, उसके भीतर और छोटी और ऐसे ही क्रम चलता है। यह रूसी कला और संस्कृति का प्रतीक मानी जाती है और अक्सर उपहार या सजावट के रूप में इस्तेमाल की जाती है।

गोहाना। विवि की छात्राओं के साथ रूसी शिक्षिका नयोझदा, प्रो. शालिनी व अन्य।

मैट्रियोश्का के इतिहास, सांस्कृतिक व उद्देश्य रंगों के बारे में बताया

नयोझदा ने मैट्रियोश्का के इतिहास, सांस्कृतिक उद्धेश्य, वस्त्र विन्यास और रंगों के महत्व के बारे में जानकारी दी। प्रो. शालिनी ने कहा कि इस कार्यशाला ने न केवल छात्राओं को रूसी संस्कृति के बारे में जानने का अवसर प्रदान किया अपितु उनके लिए एक नई और रोचक अनुभव भी था। इस कार्यशाला में 40 छात्राओं ने भाग लिया। कार्यशाला में अंतर्राष्ट्रीय कार्यालय की निदेशक प्रो. इप्शिता बंसल, चीफ वार्डन प्रो. शालिनी, असिस्टेंट चीफ वार्डन दीपाली माथुर, विदेशी भाषा विभाग के फ्रेंच भाषा की अध्यापक डॉ. सुदिप्ता सील और रूसी भाषा के अध्यापक विदुषी शर्मा भी उपस्थित रहे।

गोहाना। नरेश खानपुर को सम्मानित करते हुए जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक व अन्य।

नरेश खानपुर एससी मोर्चा के जिला महामंत्री नियुक्त

गोहाना। गांव खानपुर कलां के नरेश को भाजपा एससी मोर्चा के जिला महामंत्री नियुक्त किया गया है। सोनीपत रोड स्थित भाजपा कार्यालय में शनिवार को जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक की उपस्थिति में यह नियुक्ति पार्टी एससी मोर्चा के अध्यक्ष अमित वाल्मिकी ने की। नवनियुक्त जिला महामंत्री ने अपनी इस नियुक्ति को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली,जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक और शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया और सदैव ईमानदारी से काम करने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक, जिला महामंत्री महेंद्र चिड़ाना, जिला महामंत्री जितेन्द्र शर्मा, शेर सिंह बेडवाल, भैंसवाल मंडल अध्यक्ष सूरत सिंह, आजाद जागसी, राममेहर निनानिया, सुरेंद्र मोर, सरपंच रवि कुमार व रामचन्द्र खटक उपस्थित रहे।

शेल्टर होम में बच्चों का जांचा स्वास्थ्य

गोहाना। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शनिवार को न्यात कॉलोनी स्थित शेल्टर होम में जांच शिविर लगाया गया। शिविर में नागरिक अस्पताल की टीम ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य व ओरल हेल्थ कार्यक्रम के तहत 12 बच्चों की लंबाई, वजन, खून, दांतों व सामान्य शारीरिक परीक्षण किया। शिविर में जांच के दौरान बच्चों के दांतों में दिक्कत पाई गई, जिन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल बुलाया गया। इस शिविर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. चक्रवर्ती शर्मा के अलावा दंत चिकित्सक डॉ. राकेश रोहिल्ला ने बच्चों की जांच की। उन्हें दांतों की देखभाल के लिए प्रेरित किया गया। इसके बाद बच्चों को ब्रश व टूथपेस्ट भी वितरित किए गए। शेल्टर होम के स्टाफ को भी बच्चों के खानपान व साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के लिए भी कहा गया।

टीका राम शिक्षण संस्था को अपने पूर्व विद्यार्थियों पर गर्व : सुरेंद्र सिंह

- टीकाराम की पूर्व छात्रा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेता सुनीता दहिया ढूल के सम्मान में समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

टीका राम शिक्षा महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेता सुनीता दहिया ढूल के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। सुनीता दहिया ढूल वर्तमान में पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मुरथल, सोनीपत में भूगोल विषय की स्कूल लेक्चरर के पद पर कार्यरत हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह राणा ने बताया कि सुनीता दहिया ढूल टीका राम शिक्षा महाविद्यालय की 1995-96 सत्र की पूर्व छात्रा हैं। उन्होंने इससे पहले कई विद्यालयों में सामाजिक विज्ञान व भूगोल विषय अध्यापन किया है। सुनीता दहिया ढुल राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्राथमिक उपचार प्रशिक्षिका भी हैं और विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों, स्काउट एवं गाइड तथा सहगामी क्रियाओं में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर चुकी हैं। इन योगदानों के लिए उन्हें अनेक संस्थाओं व सरकार द्वारा सम्मानित किया गया है।

सोनीपत। समारोह के दौरान सुनीता दहिया को सम्मानित करते हुए संस्था के प्रधान एवं अन्य।

प्रधान सुरेंद्र ने की अध्यक्षता

इस अवसर पर टीका राम शिक्षा संस्था के प्रधान सुरेंद्र सिंह दहिया ने समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने सुनीता दहिया ढूल को स्मृति चिन्ह और शाल भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही महाविद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं को भी समारोह में आमंत्रित किया गया था। टीका राम शिक्षा संस्था को अपने पूर्व विद्यार्थियों पर गर्व है। उन्होंने टीका राम शिक्षा महाविद्यालय से प्राप्त अनुभवों को अपने अच्छे शिक्षक बनने की नींव बताया और अपने गुरुजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गन्नौर में 28 सितंबर को होगा सर्वजातीय सर्वखाप सम्मेलन

- लिव इन रिलेशनशिप और समलैंगिक विवाह जैसी सामाजिक बुराइयां समाप्त की जाएं : अशोक मलिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गन्नौर में कोर्ट कॉम्पलेक्स के समीप चिराग गार्डन में 28 सितंबर को सर्वजातीय सर्वखाप सम्मेलन आयोजित होगा। सम्मेलन प्रातः 10 बजे शुरू होगा जिसमें विभिन्न खापों के अलावा सरपंच एसोसिएशन व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस सम्मेलन में विभिन्न सामाजिक कुरीतियों व मुद्दों को लेकर विचारविमर्श किया जाएगा। गठवाला खाप के राष्ट्रीय महासचिव अशोक मलिक ने कहा कि आज के समय समाज में लिव इन रिलेशन और समलैंगिक विवाहजैसी सामाजिक कुरीति का चलन बढ़ रहा है। इस कुरीति को समाप्त किया जाए। समगोत्र, गांव व गोहांड में शादी करना भी सामाजिक मान्यताओं व सामाजिक भाईचारे के खिलाफ है। ऐसा नहीं होना चाहिए। अशोक मलिक ने कहा कि चाहे कोर्ट मैरिज हो या फिर साधारण शादी उसमें लडक़े और लडक़ी के माता-पिता की सहमति होना आवश्यक है। यदि मां-बाप न हों तो सगे-संबंधी जैसे ताऊ, चाचा, मामा व फूफा होने पर उनकी सहमति होना अनिवार्य माना जाए। समलैंगिक विवाह व नशे जैसी बुराइयों को भी समाज से नष्ट किया जाए।

ये होंगे संगठनकर्ता और आयोजक

सम्मेलन के संयोकर्ता सर्वजातीय सर्वखाप पुराना रोहतक व राजेंद्र प्रधान जटवाड़ा-360 सोनीपत होंगे। इस सम्मेलन के आयोजक लववंशीय लौर खत्री खाप एवं ग्राम पंचायत पांची जाटान होंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की पालना करते हुए प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने की कार्रवाई

600 किलोग्राम बम-पटाखे किए सील

प्रदूषण विभाग के पर्यावरण अभियंता एवं रीजनल ऑफिसर निर्मल कुमार ने किया नेतृत्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की पालना करते हुए प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने एनसीआर क्षेत्र में बम-पटाखों पर कार्रवाई की। विभाग की टीम ने 600 किलों ग्राम अवैध रूप से रखे बम-पटाखें पकड़े और उन्हें गैपिल को डिस्पोज के लिए लिखा। अब उन्हें गैपिल विभाग डिसपोज करेगा। सनपेड़ा गांव के पास कार्रवाई करते हुए प्रदूषण विभाग के वरिष्ठ पर्यावरण अभियंता एवं रीजनल ऑफिसर निर्मल कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान प्रदूषण विभाग की टीम पूरी मौजूद थी।

गन्नौर। प्रदूषण विभाग के वरिष्ठ पर्यावरण अभियंता एवं रीजनल ऑफिसर निर्मल कुमार कार्रवाई करते हुए।

आदेशों की अवहेलना नहीं होगी बर्दाश्त

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण को नियंत्रित करने और लोगों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्धेश्य से पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है। प्रदूषण विभाग ने टीम गठित कर छापेमारी की और मौके पर बम-पटाखे बरामद किए। अधिकारियों ने अवैध रूप से पटाखों का कारोबार करने पर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की। प्रदूषण विभाग के वरिष्ठ पर्यावरण अभियंता एवं रीजनल ऑफिसर निर्मल कुमार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे दीपावली या अन्य अवसरों पर पटाखों का प्रयोग करने से बचें और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभाएं। वरिष्ठ पर्यावरण अभियंता निर्मल कुमार ने कहा कि एनसीआर क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति, व्यापारी या संस्था को पटाखों की बिक्री, भंडारण और प्रयोग की अनुमति नहीं है। यदि कोई भी इस आदेश का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ विभाग द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

दी चेतावनी

निर्मल कुमार ने बताया कि त्योहारों के दौरान बम-पटाखों की मांग बढ़ जाती है, ऐसे में कई दुकानदार और अवैध कारोबारी चोरी-छिपे बिक्री करने लगते हैं। अब विभाग ने चेतावनी दी है कि किसी भी स्तर पर ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदूषण विभाग की टीम ने बरामद किए गए बम-पटाखों को सील कर सुरक्षित स्थान पर जमा कराया है। वरिष्ठ पर्यावरण अभियंता निर्मल कुमार ने चेताया कि इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और आने वाले समय में और भी छापेमारियां होंगी।

विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा हिंदी की जड़ें प्राचीन भारतीय आर्य भाषा परिवार की है, जिसकी जननी संस्कृत है। संस्कृत, जिसे 'देववाणी' भी कहा जाता है। इसकी विशिष्टताओं ने हिंदी को आज विश्व के कोने-कोने तक पहुंच दिया है। अगर इसके प्रसार के लिए कुछ और प्रयास किए जाएं तो निस्संदेह इसका वर्चस्व और भी बढ़ेगा।

भारत की आत्मा है हिंदी

आवरण कथा / भूपेंद्र शर्मा

आज हिंदी भाषा भारत तक सीमित नहीं है। यह विश्व भर में एक सशक्त पहचान बना चुकी है। दुनिया के कई देशों में लाखों लोगों द्वारा बोली जाती है। भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में, हिंदी सीखने से भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से के साथ संवाद एवं जुड़ने का अवसर मिलता है। भारत की विविध संस्कृति, जीवंत अर्थव्यवस्था तथा समृद्ध विरासत हिंदी को यात्रा, कार्य एवं सांस्कृतिक खोज के लिए एक श्रेष्ठ माध्यम बनाती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण हिंदी में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां, विशेष रूप से जिनके भारत में निर्माण, उत्पादन कार्य या ग्राहक हैं, उन कर्मचारियों को महत्व देती है, जो हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद कर सकते हैं। हिंदी सीखना करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकता है, खासकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, पत्रकारिता, अनुवाद एवं कूटनीतिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में।

क्षेत्रीय भाषाओं का प्रवेश द्वार

हिंदी का विकास कई चरणों में हुआ। अपभ्रंश से होते हुए, इसने अपनी वर्तमान पहचान बनाई। मध्यकाल में खड़ी बोली के रूप में इसने अपनी नींव रखी, जो आगे चलकर आधुनिक हिंदी का आधार बनी। हिंदी भारत में बोली जाने वाली विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं को समझने एवं सीखने के लिए एक प्रवेश द्वार की तरह है। बंगाली, मराठी, गुजराती एवं पंजाबी सहित कई भारतीय भाषाएं व्याकरण, शब्दावली तथा लिपि के मामले में हिंदी के साथ समानताएं साझा करती हैं।

फिल्म उद्योग तक पहुंच

भारतीय फिल्म उद्योग में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में फिल्मों का निर्माण होता है, जिन्हें भारत में ही नहीं, विश्व के अनेक देशों में देखा जाता है। हिंदी सिनेमा की विश्व में अद्भुत लोकप्रियता है। विदेशों में हिंदी के प्रसार में हिंदी फिल्मों का बड़ा योगदान है। हिंदी फिल्में, हिंदी गीत एवं टीवी शो की जीवंत दुनिया हिंदी सीखने वालों के लिए बड़ा सरल माध्यम है। वहीं इनके माध्यम से विश्वभर में फैले भारतीय प्रवासियों के साथ भारत एवं भारतीय संस्कृति के अटूट, मधुर संबंध स्थापित होते हैं। इसीलिए हिंदी को भारत की आत्मा कहते हैं।

विश्व में 61 करोड़ हिंदी भाषी

वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के अनुसार, हिंदी भाषा वर्तमान समय में 61 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस में स्थित है। यह सचिवालय हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए 11 फरवरी 2008 से कार्यरत है। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

राजभाषा विभाग के प्रयास

सन 2019 से सभी 59 मंत्रालयों में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया। अब तक कुल 528 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन भी किया जा चुका है। विदेशों में भी लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई एवं पोर्ट-लुई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां बनाई गई हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने की भी पहल की है। पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन बनारस में 13-14 नवंबर, 2021 को तथा 14 सितंबर 2022 को सूरत में दूसरा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस साल पुणे में तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। विभाग ने कुल 90 हजार शब्द का एक 'ई-महाशब्दकोष' मोबाइल एप तथा लगभग 9 हजार वाक्य का 'ई-सरल' वाक्यकोष भी तैयार किया है।

हिंदी की विशिष्टताएं

देवनागरी लिपि: हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है, जो देखने में मनमोहक और ध्वन्यात्मक रूप से सटीक है। इसमें 11 स्वर एवं 33 व्यंजन हैं, जिनमें प्रत्येक ध्वनि का अलग स्वर एवं उच्चारण है।

स्वर की लंबाई: हिंदी में कुछ स्वर ध्वनियों का उच्चारण विस्तारित अवधि के साथ किया जा सकता है, जिससे शब्दों का अर्थ बदल जाता है। उदाहरण के लिए, 'मा' का अर्थ 'मां' है, जबकि 'मान' का अर्थ 'सम्मान' है।

मानद रूप: हिंदी व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक संबोधित करने के लिए मानद रूपों को शामिल करती है। बड़ों, सम्मानित व्यक्तियों या उच्च सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों से बात करते समय सम्मानजनक सर्वनामों, क्रिया रूपों एवं वाक्य संरचनाओं का उपयोग भाषा के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मान एवं शिष्टाचार के साथ प्रदर्शित करता है।

लिंग वाली संज्ञा: हिंदी में संज्ञाओं के तीन लिंग हैं। पुल्लिंग, स्त्रीलिंग एवं नपुंसकलिंग। एक संज्ञा का लिंग अक्सर विशेषणों, क्रियाओं तथा सर्वनामों के समझौते को निर्धारित करता है, जो इसके साथ उपयोग किए जाते हैं।

सर्वनाम का अंतर: हिंदी एकवचन के लिए औपचारिक एवं अनौपचारिक सर्वनामों के बीच अंतर करती है। औपचारिक सर्वनाम 'आप' का प्रयोग सम्मान दिखाने या उच्च पदस्थ व्यक्ति को संबोधित करने के लिए किया जाता है, जबकि अनौपचारिक सर्वनाम 'तुम' का प्रयोग समान सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों के साथ किया जाता है।

जटिल क्रिया प्रणाली: हिंदी की क्रिया प्रणाली में विभिन्न क्रिया रूप एवं काल हैं। क्रियाओं का संयोजन तनाव, पहलू, मनोदशा एवं विषय के साथ समझौते जैसे कारकों से प्रभावित होता है, जिससे भाषा की क्रिया संरचना जटिल तथा अभिव्यंजक हो जाती है।

संस्कृत का प्रभाव: हिंदी पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है। कई हिंदी शब्दों की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है, जो शब्दावली को समृद्ध करती है तथा भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं दार्शनिक परंपराओं के साथ गहरा संबंध प्रदान करती है।

ध्वनि विविधता: हिंदी में ध्वनियों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिसमें स्वर, व्यंजन एवं नासिक्य ध्वनियां हैं। इसकी ध्वन्यात्मक सूची विविध मधुर उच्चारण प्रवाहित करती है।

क्षेत्रीय विविधता: भारत के विभिन्न हिस्सों में हिंदी की विभिन्न क्षेत्रीय बोलियां तथा शैली है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी शब्दावली, उच्चारण एवं व्याकरणिक विविधताएं हैं, जो हिंदी भाषी जनमन के भीतर भाषाई विविधता को दर्शाती हैं।

अभी अधूरा है विकास

हिंदी अपनी वैश्विक पहचान रखती है, किंतु इसके विकास के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

तकनीकी विकास: हिंदी में तकनीकी शब्दावली को अधिक विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग बढ़ सके।

मानकीकरण एवं सरलता: बोल-चाल एवं लेखन में एकरूपता लाने के लिए मानकीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है।

सरकारी प्रोत्साहन: सरकार को हिंदी के उपयोग को सभी क्षेत्रों में बढ़ावा देना चाहिए, विशेषकर शिक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों में।

वैश्विक मंचों पर उपयोग: अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के प्रयास होने चाहिए। *

हिंदी दिवस और संविधान में स्थान

हिंदी दिवस मनाने का इतिहास भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है। 14 सितंबर 1949 को, भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। यह निर्णय हिंदी को राष्ट्र की एकता के सूत्र के रूप में स्थापित करने के लिए लिया गया था। पहला हिंदी दिवस 1953 में मनाया गया। यह दिन हमें भाषा के महत्व और उसके संरक्षण की याद दिलाता है। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी उपबंध हैं। अनुच्छेद 120 (संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा) भाग 17 में अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संसद में कार्य हिंदी में या अंग्रेजी में किया जाएगा। अनुच्छेद 343 (संघ की राजभाषा) संघ की राजभाषा हिंदी एवं लिपि देवनागरी होगी, संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप होगा।

विचारणीय

लोकमित्र गौतम

इसे विडंबना ही कहना चाहिए कि जिस हिंदी को बोलने, जिसमें मनोरंजन करने में युवा पीढ़ी खूब आनंद लेती है, उसे ही लिखने और पढ़ने में असहज रहती है। हालांकि इसके लिए सिर्फ वही नहीं जिम्मेदार है। ऐसे में इस समस्या के निराकरण के लिए परिवार, समाज से लेकर व्यवस्था तंत्र को भी विचार करना होगा।

हिंदी को लेकर सहज नहीं युवा पीढ़ी

भारत की कुल आबादी में से 65 फीसदी से ज्यादा युवा हैं, जिनकी उम्र 35 साल या इससे कम है। इनमें से 60 से 65 फीसदी युवा फर्राटे से हिंदी बोलते-समझते हैं। ये आमतौर पर हिंदी फिल्में भी देखते हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी के कार्यक्रम चाव से देखते हैं। मगर इनकी एक ऐसी कमजोरी है, जिस पर आम लोगों का यकायक ध्यान नहीं जाता। इनमें से करीब आधे युवा ऐसे हैं, जो हिंदी बोलते हैं, समझते हैं, लेकिन प्रवीणता से हिंदी पढ़ और लिख नहीं पाते। कुछ पढ़ते भी हैं तो सहजता से शुद्ध-शुद्ध नहीं पढ़ पाते।

आधी युवा आबादी है असहज: देश में हिंदी बोलने वाले करीब आधे युवा हिंदी में कतई सहज नहीं है। ऊपर से देखने में यह कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं लगती। यहां तक कि हिंदी भाषी मां-बाप को भी अपने हिंदी लिख और पढ़ न पाने में असहज बच्चों से किसी तरह की भावनात्मक परेशानी नहीं होती, लेकिन सच बात यह है कि हिंदी की सबसे कमजोर कड़ी यही युवा पीढ़ी है, जो ऊपर से तो हिंदी में बहुत सहज दिखती है, मगर भीतर से हिंदी को लेकर बिल्कुल असहज है। दरअसल, यही वह पीढ़ी है, जो अप्रत्यक्ष रूप में हिंदी को मौखिक भाषा तक सीमित करने में लगी है।

शैक्षिक-सांस्कृतिक विडंबना: यह सचमुच हिंदी के साथ बड़ी भाषाई विडंबना है, क्योंकि हिंदी बोलने वाले, हिंदी पढ़ने वाले, हिंदी में मनोरंजन करने वाले युवा बाहरी तौर पर यह प्रभाव देते हैं कि जैसे वो हिंदी सेवी हों। पर वास्तव में वो हिंदी सेवी नहीं होते। दक्षिण भारत में खासकर बेंग्लुरु, चेन्नई में जिन उत्तर भारतीय युवाओं की पहचान हिंदीभाषी होने से है, वास्तव में ये हिंदीभाषी समझे जाने वाली युवा पीढ़ी का बड़ा हिस्सा भी उन्हीं की तरह हिंदी में असहज है। भले यह बाहरी तौर पर हिंदी वाले लगते हों, पर सचमुच में ये हिंदी वाले नहीं हैं, हिंदी को इनसे फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि हिंदी बोलना, हिंदी में बातें करना, हिंदी में मनोरंजन करना, लेकिन हिंदी लिख और पढ़ न पाना या इसमें सहज न हो पाना, सिर्फ भाषाई समस्या नहीं है। यह सांस्कृतिक और शैक्षिक त्रासदी भी है।

नहीं है हिंदी की गहरी समझ: दक्षिण या पश्चिम भारत के बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के भी बड़े शहरों में ऐसे युवाओं की भरमार है। दिल्ली में भी 25 से 30 फीसदी ऐसे युवा हैं, जो बस हिंदी में बातें करते हैं, गाने सुनते हैं, वेब सीरीज देखते हैं, लेकिन सौ शब्दों का आवेदनपत्र हिंदी में नहीं लिख सकते। घंटों हिंदी में बहस करने वाले उस विषय पर एक पेज भी हिंदी में नहीं लिख पाते। यह इसलिए बड़ी समस्या है कि इससे हिंदी की असली समस्या पर पर्दा पड़ा रहता है। यह भ्रम बना रहता है कि हिंदी, बोलने, जानने और समझने वाले बहुत बड़ी तादाद में लोग हैं। लेकिन यह ऐसी ढोल के भीतर पोल वाली खोखली पीढ़ी है, जो न तो हिंदी का साहित्य जानती है, न कविता जानती है, न हिंदी के अखबार पढ़ती है और न ही हिंदी के ऐतिहासिक दस्तावेजों से ही इसका कोई परिचय है। ऐसे में भला यह पीढ़ी हिंदी का कैसे भला करेगी? यह तो उल्टा हिंदी में रह कर ही हिंदी को कमजोर करती है।

पहचान होती है मातृभाषा: अगर आप ऐसी पृष्ठभूमि से आते हैं कि आपके घर की भाषा यानी मातृभाषा हिंदी है और पढ़ाई और कामकाज की भाषा अंग्रेजी है, तो भले रोज के कामकाजी घंटों में आपको यह खुशफहमी रहती हो कि अपनी कमजोर हिंदी को लेकर आपमें किसी तरह की असहजता नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह होती है कि अगर हम अपनी मातृभाषा को पढ़ने और लिखने में सहज नहीं होते तो हमारे अंदर एक स्वतः जन्मी हीन भावना हर समय रहती है। जो लोग अपनी मातृभाषा को सही से लिखना, पढ़ना नहीं जानते, उन्हें अपनी दुनिया के सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों का भी पता नहीं होता। दिन रात अंग्रेजी पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय अंग्रेजी के मुहावरों, उसकी लोकोक्तियों में मौजूद गहरे सांस्कृतिक संदर्भों से कभी नहीं जुड़ पाते, इसलिए बहुत सी बातों को वो कभी भी गहराई से समझ नहीं पाते। हमें लिपि की कठिनाई का बहाना बनाकर अपनी भाषा से नहीं कटना चाहिए। एक बार अगर हम अपनी भाषा से कट गए, तो हम अपनी स्मृतियों से, पीढ़ीगत धरोहरों से और साहित्यिक विरासत से भी कट जाते हैं।

डिजिटल जीवनशैली का प्रभाव: इसमें आज की डिजिटल लाइफस्टाइल और बाहर के देशों से आने वाली तकनीकी का भी हाथ है। लेकिन इस आरोप से तो हम अपनी भाषा के साथ लगाव न रख पाने को सही नहीं ठहराते। माना कि डिजिटल युग में मोबाइल और सोशल मीडिया में रोमन लिपि में लिखे, पढ़े जाने का चलन है, जिससे देवनागरी की प्रैक्टिस खत्म होती है। लेकिन यह यूं ही स्वतः नहीं पैदा हो गया। इस स्थिति के पैदा होने में बकायदा सांस्कृतिक संदर्भों का योगदान है। आज जिस तकनीक का आप अपने जीवन में इस्तेमाल कर रहे हैं, वह किसी हिंदी भाषी ने नहीं विकसित की, वह इस तकनीक को हिंदी के अनुकूल क्यों विकसित करता? अतः हिंदी के साथ अपने सहज और आत्मीय रिश्ते आपको खुद ही रखने है, इसके लिए किसी तकनीकी कमी या उसके संकट को बहाना नहीं बना सकते। *

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं।

हिंदी हमारी मदर टंग है

मुझे हिंदी दिवस के एक कार्यक्रम में जाना पड़ा। मैं जैसे ही माइक के सामने हुआ खड़ा, आयोजक ने कहा, 'आज आपको हिंदी पर एक कविता जरूर सुनानी है।'

मैंने कहा, 'तो सुनिए, जो हिंदी की कहानी है। हिंदी समस्त भारतीय भाषाओं की रानी है। हिंदी का बड़ा सम्मान है। यह हमारी आन-बान-शान है। इस पर हमें गर्व है, दर्प है, अभिमान है। क्योंकि हिंदी महान है।

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं। वर्ष भर पूजाघरों में मूर्तिवत सजाकर-संवार कर धरते हैं। इस भाषा में नहीं है कोई खोट। इसे साल के बाकी दिनों में तलाशो तो हिंदी वैसे ही मिला करती है, जैसे किसी माफिया के पूजाघर में रखे हुए नंबर दो के करेंसी नोट।

हिंदी हमारी अभिलाषा है। यह हमारी राजभाषा है। इसलिए इसकी पूजा करना हमारी मजबूरी है। जैसे आज की सियासत में अशालीन होना जरूरी है।

हिंदी का बड़ा महत्व है। हिंदी से हमें ममत्व है। हिंदी हमारे लिए वैसे ही है, जैसे गांव वालों के लिए मेला, जैसे मजदूरों के लिए ठेला और रैली में रेला। हिंदी हमारी शोभा है, हमारा अलंकार है। हिंदी हमारा अंतिम प्यार है। हिंदी का नाम लेते ही हमारे अधरों पर फूल खिलते हैं। हिंदी हमारे लिए इसलिए भी प्यारी है

क्योंकि हिंदी में मांगों तो वोट भी आसानी से मिलते हैं। इसीलिए तो हर राजनेता हिंदी के साथ दिखता है। अहिंदी भाषी सियासातदान भी हिंदी सीखता है।

हिंदी पर अब और कितना सुनाऊं मेरे भाई? हिंदी हमारे भाल की बिंदी है, और लोग हैं कि इतनी-सी बात समझ पाते नहीं कि मर्द बिंदी लगाते नहीं। तो आधी आबादी को छूट, बच गई आधी तो उसको भी है आजादी कि फैशन से फुर्सत हो तो बिंदी लगाएं। इस विदेशी कल्चर की क्यारी में हम कैसे हिंदी का प्लांट लगाएं? कहिए, आयोजक जी, अभी भी आपका मन नहीं भरा हो तो हम हिंदी पर और भी सुनाएं।'

आयोजक बोला, 'अब आप कृपापूर्वक जाएं और नेक्स्ट ईयर अगेन हिंदी पर ऐसी ही एक नई कविता लिखकर अवश्य लाएं।' *

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

हिंदी बनाम इंग्लिश

रिया बहुत देर से अपने कमरे में चहलकदमी कर रही थी। नमिता ने पूछा, 'क्या बात है बेटी, क्यों परेशान हो?'

'मेरे स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग है, और पापा घर पर नहीं हैं।' रिया खीझे स्वर में अपनी मम्मी से बोली।

'अरे तो क्या हुआ? मैं हूं ना। मैं चलती हूं पैरेंट्स मीटिंग में।' मां बोलीं।

'आप तो रहने ही दें। आपको इंग्लिश बोलना कहां आती है? आप आएंगी तो मेरा स्कूल में मजाक ही बनेगा।' रिया का जवाब सुनकर मां स्तब्ध रह गई। इस बात के लिए वह अकसर अपने पति से भी खरी-खोटी सुनती थी, आज बेटी ने भी सुना दिया। कुछ दिनों बाद स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर एक प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला था, जिसका शीर्षक था, 'हिंदी बनाम इंग्लिश।' रिया जानती थी, मम्मी की हिंदी पर बहुत अच्छी पकड़ है। उसने पहले मम्मी से अपने पिछले बर्ताव के लिए मांफी मांगी फिर बोली, 'मम्मी, प्लीज आप मेरे लिए एक स्पीच लिख कर दे दीजिए।' मां पूरे मनोयोग से स्पीच लिखने में जुट गई। उसकी मेहनत रंग लाई। रिया को प्रथम पुरस्कार मिला। स्कूल से आते ही रिया अपनी मम्मी के गले लग गई, बोली, 'आपके लिखे स्पीच ने आज मुझे स्कूल में फेमस कर दिया। यूं आर ग्रेट मम्मी! यह पुरस्कार मैं आपको समर्पित करती हूं।'

अपनी बेटी की नजरों में अपने लिए सम्मान देख मां की आंखें खुशी से छलक आईं। *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?

सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?

सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?

डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?

यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?

15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?

स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?

एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?

90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?

इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?

नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया

स्पाइन सर्जन

MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)

पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)

समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक

व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें

सम्पर्क - 7354858466

www.nonsurgicalspinecentre.in

स्पेशल: इंजीनियर्स डे, 15 सितंबर

पिछली सदी में हुए भारत के महान सिविल इंजीनियर एम. विश्वेश्वरैया की जयंती को इंजीनियर्स डे के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर हम आपको बता रहे हैं देश के अलग-अलग इलाकों में स्थित कुछ ऐसे निर्माणों के बारे में, जो इंजीनियरिंग की शानदार मिसाल पेश करते हैं। इनकी विशेषताओं के बारे में जानकर आप अचरज किए बिना नहीं रह पाएंगे।

देश में कई जगह मौजूद हैं इंजीनियरिंग के गौरवशाली प्रतीक

चिनाब पुल जम्मू-कश्मीर के रियासी में

बांद्रा-वर्ली सी लिंक मुंबई में

बेमिसाल

शिखर चंद जैन

अपने देश के अलग-अलग क्षेत्रों में निर्मित किए गए इंजीनियरिंग के ये नायाब नमूने हर किसी को हैरान कर देते हैं। ये गौरवशाली प्रतीक भारतीय इंजीनियरिंग की नई प्रगति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

चिनाब रेलवे ब्रिज

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित यह विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। यह 359 मीटर ऊंचा है। अनूठा चिनाब ब्रिज पेरिस के एफिल टॉवर से भी 35 मीटर ऊंचा है। इसका निर्माण कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन और इंजीनियरिंग संस्थान आईआईएससी बेंगलुरु द्वारा किया गया है। आईआईटी दिल्ली और आईआईटी रुड़की ने इसकी भूकंप सहनशीलता का विश्लेषण किया, जबकि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इसके विस्फोट-प्रतिरोधी होने की पुष्टि की।

यह 8 तीव्रता तक के भूकंप के झटके, 40 टन टीएनटी तक का विस्फोट, -20 डिग्री सेल्सियस तक तापमान और 266 किमी. प्रति घंटा की गति वाली आंधी को सहन करने की क्षमता रखता है। दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल माना जाने वाला चिनाब पुल, जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में बक्कल और कौरी के बीच स्थित है। यह उधमपुर, श्रीनगर, बारामुला रेलवे लिंक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जम्मू और कश्मीर को शेष भारत से जोड़ना है। इसके कारण क्षेत्र में कनेक्टिविटी काफी सुविधाजनक हो गई है।

स्टेच्यू ऑफ इक्वेलिटी

हैदराबाद (तेलंगाना) में स्थित यह विशाल प्रतिमा 11वीं शताब्दी के वैष्णव संत श्री रामानुजाचार्य की है। 5 फरवरी 2019 को, भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

ने इस प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा समानता, न्याय और करुणा के उस दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसका उपदेश श्री रामानुजाचार्य ने मानवता को दिया था। स्टेच्यू ऑफ इक्वेलिटी की ऊंचाई 216 फीट है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है। यह मूर्ति एक विशेष कांस्य मिश्र धातु से बनी है, जिसे पंच धातु कहा जाता है। इसमें श्री रामानुजाचार्य को बैठी हुई मुद्रा, कमल मुद्रा, पद्मासन और पारंपरिक मुद्रा में दर्शाया गया है, जो शांति और ध्यान दोनों का प्रतीक माना जाता है। यह प्रतिमा 54 फुट ऊंचे चबूतरे पर स्थापित है, जिस पर संग्रहालय और अनुसंधान केंद्र स्थित हैं। यह चबूतरा रामानुजाचार्य के संदेश के स्तंभों और आधुनिक विश्व में उनकी प्रासंगिकता का प्रतीक है। यह समाज में समानता और देश में एकता का प्रतीक भी है। इसके चारों ओर एक मंदिर परिसर और आगंतुकों के लिए एक उच्च-तकनीकी केंद्र है। यह प्रतिमा और परिसर इंजीनियरिंग के अद्भुत कौशल का प्रदर्शन करता है।

बांद्रा-वर्ली सी लिंक

मुंबई में रहने वाले बहुत से निवासी बांद्रा-वर्ली सी लिंक के जरिए यात्रा करते हैं। यह शानदार केबल-स्टेड ब्रिज भारत की आधुनिक इंजीनियरिंग विशेषज्ञता का एक अनुपम उदाहरण है। 5.6 किलोमीटर लंबा यह पुल बांद्रा और वर्ली के व्यस्त उपनगरों को जोड़ता है, जिससे शहर की भीड़-भाड़ वाली सड़कों पर सफर का समय कम हो जाता है। केबलों को थामे रखने वाले विशाल खंभे समुद्र तल से 128 मीटर ऊपर हैं। 66 फीट चौड़े इस ब्रिज पर आठ लेन में आवागमन होता है। वर्ष 2000 में इसका निर्माण शुरू हुआ और वर्ष 2010 में यह आम जनता के लिए खोल दिया गया।

पीर पंजाल अटल रेलवे सुरंग

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा '10,000 फीट से ऊपर दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग' के रूप में दर्ज, अटल सुरंग हिमाचल प्रदेश में मनाली-लेह राजमार्ग पर रोहतांग दर्रे के नीचे स्थित है। चुनौतीपूर्ण भू-भाग और जमा देने वाले तापमान में निर्मित, 9.02 किलोमीटर लंबी इस सुरंग को रोहतांग सुरंग के नाम से भी जाना जाता है। इसका निर्माण सर्दियों के महीनों में राजमार्ग के बंद होने की समस्या को दूर करने के लिए किया गया है, जिससे लाहौल और स्पीति अलग-थलग पड़ जाते थे। सुरंग के निर्माण से मनाली-केलांग मार्ग की दूरी 46 किलोमीटर कम हो गई है, जिससे इस दूरी की यात्रा का समय लगभग चार से पांच

घंटे कम हो गया है। हिमालय में पीर पंजाल पर्वतमाला की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए, इस सुरंग के निर्माण के लिए उत्कृष्ट तकनीकी और इंजीनियरिंग कौशल का उपयोग किया गया। यह प्रभावशाली परियोजना आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग में भारत की विशेषज्ञता का गौरव है और भारत के सर्वश्रेष्ठ सिविल इंजीनियरिंग चमत्कारों में से एक है। *

धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल

मुंबई, महाराष्ट्र में स्थित यह एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय स्कूल है। यहां वर्षाजल का संचयन और ऊर्जा संरक्षण सहित समकालीन वास्तुकला सुविधाएं मौजूद हैं। डिजाइन से संबंधित आधुनिक विशेषताओं के लिए इसे सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में से एक माना जाता है क्योंकि यह स्थिरता के बारे में बहुत कुछ कहता है। स्कूल ने हाल ही में अत्याधुनिक सुविधाओं को शामिल किया है, जिसमें सौर पैनल और जल पुनर्चक्रण प्रणालियों सहित एडवांस्ड ग्रीन टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। अत्याधुनिक कक्षाएं और इंटरेक्टिव शिक्षण वातावरण एक सुव्यवस्थित परिसर में जोड़े गए हैं, जो पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ शिक्षा में उत्कृष्टता पर जोर देते हैं। इंजीनियर्स के योगदान से ही इसका निर्माण संभव हो पाया है।

तेलंगाना राज्य का प्रसिद्ध लोक-महोत्सव बतकम्मा, महिलाओं के सम्मान और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक पर्व है। भादपद अमावस्या से शुरू होकर दुर्गाष्टमी तक नौ दिनों तक मनाए जाने वाले इस उत्सव के दौरान कला, संस्कृति और प्रकृति के आपसी जुड़ाव की निराली छटा दिखती है।

स्त्री सम्मान-प्रकृति प्रेम का प्रतीक लोक-महोत्सव बतकम्मा

सांस्कृतिक पर्व

सरिता सुराणा

हमारे देश में वर्ष भर त्योहारों का मेला लगा रहता है। सभी क्षेत्र, जाति और धर्म के लोग उत्साह-उमंग से विभिन्न पर्व मनाते हैं। लेकिन अलग-अलग राज्यों में भी अपने-अपने कुछ विशेष त्योहार मनाए जाते हैं। उन्ही में से एक है बतकम्मा पर्व। इसे तेलंगाना राज्य की महिलाएं मनाती हैं।

वातावरण में लहराती हैं स्वर लहरियां

छिन्निमा बतकम्मा, छिन्नारक्का बतकम्मा,
दादी मां बतकम्मा, दामेरमुतक्कल बतकम्मा।

ऐसे गीतों की मधुर स्वर लहरियां जब वातावरण में गूंजने लगती हैं तो समझ आ जाता है कि बतकम्मा पर्व आ गया है और संपूर्ण तेलंगाना में मातृशक्ति के प्रति सम्मान और प्रकृति प्रेम का सैलाब उमड़ रहा है।

इस पर्व में एक प्रतीकात्मक पुष्पों की प्रतिमा बनाई जाती है, जिसे बनाने के लिए कई रंगों के फूलों का उपयोग किया जाता है। इसलिए इसे रंगों का त्योहार भी माना जाता है। पूरे तेलंगाना में यह बतकम्मा पर्व नौ दिनों तक मनाया जाता है। इसमें बहुत सुंदर तरीके से फूलों से अलग-अलग आकृतियां बनाई जाती हैं, इसमें प्रयोग किए जाने वाले ज्यादातर फूल आयुर्वेदिक दृष्टि से भी उपयोगी होते हैं। इसमें फूलों से सात परतों से मंदिर के गोपुरम जैसी आकृति बनाई जाती है। तेलुगु भाषा में बतकम्मा का मतलब होता है, देवी मां जिंदा हैं। इस दिन बतकम्मा को महागौरी के रूप में पूजा जाता है, यह पर्व स्त्रियों के सम्मान के रूप में मनाया जाता है।

कब मनाया जाता है: हिंदू पंचांग के अनुसार यह पर्व श्राद्ध पक्ष, भादो की अमावस्या, जिसे महालय अमावस्या भी कहते हैं, के दिन शुरू होता है और नवरात्र की अष्टमी के दिन खत्म होता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार यह सितंबर-अक्टूबर महीने में मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 21 से 30 सितंबर तक मनाया जाएगा। यह मानसून के अंत में शुरू होकर शीत ऋतु के प्रारंभ तक मनाया जाता है।

ऐसे मनाते हैं पर्व: इस पर्व में फूलों से एक बड़े पर्वत जैसी आकृति बनाई जाती है। इसके सबसे ऊपरी भाग में हल्दी से गौरम्मा बनाकर उसे रखा जाता है। इस दौरान नाच-गाने का आयोजन किया जाता है। बतकम्मा का नाम बृहदाम्मा से ही उत्पन्न हुआ है। माना जाता है कि भगवान शिव-पार्वती को प्रसन्न करने के लिए यह त्योहार 1000 साल से उसी इलाके (वर्तमान तेलंगाना) में बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है।

जताते हैं प्रकृति के प्रति आभार: वर्षा ऋतु में सभी जगह पानी का प्रवाह होता है। नदी, तालाब एवं कुएं पानी से भर जाते हैं। उसके बाद धरती पर फूलों के रूप में पर्यावरण में बहार आ जाती है। इसी कारण प्रकृति का धन्यवाद देने के लिए तरह-तरह के फूलों के साथ इस पर्व को मनाया जाता है। इस त्योहार को मनाने के लिए नव विवाहिताएं अपने मायके भी आती हैं। मान्यता है कि उनके जीवन में परिवर्तन लाने के लिए यह प्रथा शुरू की गई थी।

पर्व के शुरुआती पांच दिनों में महिलाएं अपने घर का आंगन स्वच्छ करती हैं और उसको गोबर से लीपा जाता है। सुबह जल्दी उठ कर उस आंगन में सुंदर-सुंदर मुग्गु बनाती हैं। कई जगह पर ऐप्पन से चौक बनाया जाता है, जिसमें सुंदर कलाकृति बनाई जाती है। चावल के आटे से बनी रंगोली का भी बहुत महत्त्व है। इस उत्सव में घर के पुरुष बाहर से नाना प्रकार के फूल एकत्र करते हैं, जिसमें सलोसिया, सेन्ना, मेरीगोल्ड, कमल, ककुर्बिता, कुकुमिस और बहुत से अन्य फूलों को एकत्रित किया जाता है। फूलों की तरह-तरह की परतें बनाई जाती हैं, उनके नीचे फूलों की पत्तियों से सजाया जाता है, इसे थंबलम के नाम से जाना जाता है। नौ दिन तक हर शाम महिलाएं और लड़कियां एकत्रित होकर नाचती, गाती हैं, ढोल बजाए जाते हैं। सब अपने-अपने बतकम्मा को लेकर आती हैं। इस दौरान महिलाएं पारंपरिक साड़ी, गहने पहनती हैं और लड़कियां लहंगा चोली पहनती हैं। सभी महिलाएं बतकम्मा के चारों ओर गोला बनाकर क्षेत्रीय भाषा में गीत गाती हैं। महिलाएं अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए माता पार्वती से प्रार्थना करती हैं। अष्टमी पूजा के बाद बतकम्मा को तालाब के पानी में विसर्जित कर दिया जाता है। *

किसी भी ग्रह से टूटकर पृथ्वी पर गिरे उल्कापिंड उस ग्रह के इतिहास और उसकी संरचना को समझने में मदद करते हैं। इसका उपयोग गहनों एवं सजावटी वस्तुओं में भी किया जाता है। यही वजह है कि ग्रहों के इन टुकड़ों की कीमत बहुत अधिक होती है। जानिए इस बारे में विस्तार से।

महत्वपूर्ण और कीमती होते हैं ग्रहों से टूटकर गिरे उल्कापिंड

रोचक

अंजू जैन

हाल ही में मंगल ग्रह से आए एक उल्कापिंड, NWA 16788, की न्यूयॉर्क में 'गीक वीक 2025' नीलामी हुई है। यह उल्कापिंड पृथ्वी पर पाया गया अब तक का सबसे बड़ा मंगल ग्रह का टुकड़ा माना जाता है, जिसका वजन 24.5 किलोग्राम है। इसकी अनुमानित कीमत 15 से 30 करोड़ रुपए (लगभग 1.8 से 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के बीच है।

क्या है NWA 16788: यह एक शर्गोटाइट उल्कापिंड है, जो मंगल ग्रह की भूगर्भीय संरचना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देता है। यह सहारा रेगिस्तान में पाया गया था और मंगल ग्रह की सतह से उत्पन्न हुआ माना जाता है। इसकी सतह पर लाल-भूरी फ्यूजन क्रस्ट है, जो अंतरिक्ष में इसकी यात्रा के दौरान उच्च तापमान के कारण बनी। यह मंगल ग्रह की मिट्टी से बना है और इसकी उम्र लगभग 74.2 करोड़ साल पुरानी बताई जाती है।

वैज्ञानिक महत्व: यह उल्कापिंड मंगल ग्रह के इतिहास और संरचना को समझने में मदद करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह उस समय के मंगल ग्रह की सतह का हिस्सा हो सकता है, जब वहां पानी मौजूद था।

मूल्य और विशेषता: इसकी कीमत 15 से 30 करोड़ रुपए के बीच अनुमानित है, जो इसे अब तक के सबसे महंगे उल्कापिंडों में से एक बनाता है।

क्यों होते हैं इतने महंगे: ग्रहों या उल्काओं से टूट कर पृथ्वी पर गिरे टुकड़े, जिन्हें उल्कापिंड कहा जाता है, कई कारणों से महंगे होते हैं। इनमें शामिल हैं-

दुर्लभता: उल्कापिंड अंतरिक्ष से पृथ्वी पर बहुत कम मात्रा में पहुंचते हैं। इनमें से कुछ विशेष प्रकार, जैसे चंद्रमा या मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड, अत्यंत दुर्लभ होते हैं, जिससे उनकी कीमत बढ़ जाती है।

वैज्ञानिक महत्व: उल्कापिंड ग्रहों की उत्पत्ति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक इनका अध्ययन ग्रहों की भौतिक-रासायनिक संरचना और प्राचीन इतिहास को समझने के लिए करते हैं, जिससे इनकी मांग बढ़ती है।

सौंदर्य और संग्रहणीयता: कुछ उल्कापिंडों में अनोखे पैटर्न (जैसे विडमैनस्टेटेन पैटर्न) या रंग होते हैं, इस कारण इनका उपयोग गहनों या सजावटी वस्तुओं के निर्माण में भी किया जाता है।

उत्पत्ति: चंद्रमा, मंगल या विशिष्ट क्षुद्रग्रहों से आए उल्कापिंड अत्यंत मूल्यवान होते हैं, क्योंकि ये पृथ्वी के बाहर की सामग्री होते हैं। उल्कापिंडों को खोजने, पुनर्प्राप्त करने और उनकी प्रामाणिकता सत्यापित करने में समय, संसाधन और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व: कुछ संस्कृतियों में उल्कापिंडों को पवित्र माना जाता है, जैसे भारत में कुछ प्राचीन मंदिरों में रखे गए उल्कापिंड।

ग्रहों के टुकड़ों के प्रकार: ग्रहों से टूट कर पृथ्वी पर गिरे टुकड़ों के कई प्रकार होते हैं, जैसे-

उल्का पिंड: जब उल्का पृथ्वी के वायुमंडल से गुजर कर सतह पर पहुंचती है, तो उसे उल्कापिंड कहते हैं।

उल्का: अंतरिक्ष से पृथ्वी की ओर आने वाला पदार्थ जो वायुमंडल में जलता है और 'टूटता तारा' जैसा दिखता है।

क्षुद्रग्रह: अंतरिक्ष में चक्कर लगाने वाले बड़े चट्टानी पदार्थ, जिनके टुकड़े उल्कापिंड के रूप में पृथ्वी पर गिर सकते हैं।

चंद्र उल्का पिंड: चंद्रमा से उत्पन्न होने वाले उल्का पिंड।

मंगल उल्का पिंड: मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड।

पैलासाइट: लोहे और सिलिकेट खनिजों से बने विशेष उल्का पिंड, जो अकसर सुंदर क्रिस्टल पैटर्न दिखाते हैं।

कोन्ड्राइट: सबसे आम उल्कापिंड, जिनमें सौरमंडल की प्राचीन सामग्री होती है।

इनके अलावा भी विभिन्न ग्रहों से टूटकर गिरे टुकड़ों या उल्कापिंडों के अलग-अलग कई प्रकार एवं अलग-अलग नाम होते हैं।

अब हम आपको अब तक मिले कुछ बेहद महत्वपूर्ण उल्कापिंड और उनकी कीमत के बारे में बताते हैं।

होबा उल्कापिंड: नामीबिया में 1920 ई. में पाया गया लगभग 60 टन वजनी यह उल्कापिंड अब तक का ज्ञात सबसे बड़ा एकल उल्कापिंड है। इसका बाजार मूल्य निर्धारित नहीं है, क्योंकि यह वहां की राष्ट्रीय संपत्ति है, लेकिन इसकी कीमत अरबों रुपए हो सकती है।

फुकांग पैलासाइट: साल 2000 में चीन में पाया गया यह उल्का पिंड पैलासाइट (लोहा और ओलिवाइन क्रिस्टल) कैटेगरी का है। यह अपने सुंदर क्रिस्टल पैटर्न के लिए प्रसिद्ध है। इस उल्कापिंड के इसके छोटे टुकड़ों की कीमत 20 से 50 डॉलर प्रति ग्राम तक हो सकती है।

चेल्याबिंस्क उल्कापिंड: साल 2013 में रूस में गिरा साधारण कोन्ड्राइट प्रकार का यह उल्का पिंड एक खास वजह से प्रसिद्ध है। दरअसल, 2013 में इसके गिरने से एक बड़ा विस्फोट हुआ था, जिसने इसे विश्व प्रसिद्ध बनाया। इसके टुकड़ों की कीमत 1 से 10 डॉलर प्रति ग्राम तक रही है।

नखला उल्कापिंड: मिस्र में साल 1911 में गिरा यह उल्कापिंड मंगल ग्रह से गिरे होने की पुष्टि वाला पहला उल्कापिंड है। इसकी कीमत प्रति ग्राम 100 से 300 डॉलर तक तक हो सकती है।

एलेंडे उल्कापिंड: मैक्सिको में 1969 ई. में गिरे कार्बोनेशियस कोन्ड्राइट प्रकार के इस उल्कापिंड में सौरमंडल की सबसे प्राचीन सामग्री और कार्बनिक यौगिक पाए गए हैं, जो जीवन की उत्पत्ति के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसकी कीमत प्रति ग्राम 1 से 5 डॉलर अनुमानित है। लेकिन इसके दुर्लभ टुकड़ों की कीमत अधिक हो सकती है। *

बॉलीवुड फिल्मों की बात करें तो शुरुआत से लेकर अब तक की फिल्मी संवाद की भाषा हिंदी में अनेक परिवर्तन देखने को मिलते हैं। हर अदाकार अपने अंदाज में हिंदी तो बोलता ही है, समय और पीढ़ी के अनुसार भी इसमें बदलाव आते रहे हैं। इन बदलावों पर एक नजर।

पहले के दौर से कितनी बदली बॉलीवुड फिल्मों की हिंदी

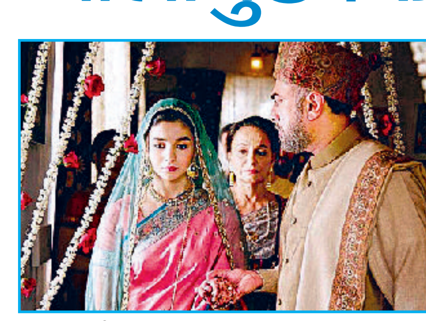
'राजी' में आलिया भट्ट के संवाद रहे असरदार

क्षेत्रीय प्रभाव से मुक्त हैं 'गुड लक जेरी' के संवाद

सिने संवाद

डी.जे. नंदन

अगर आप हिंदी फिल्मों के शौकीन हैं तो बॉलीवुड फिल्मों में बोली जाने वाली आज की हिंदी में पिछली सदी के पचास, साठ, सत्तर और अस्सी के दशकों की बॉलीवुड फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी से कुछ अंतर महसूस करते होंगे। क्या फर्क है तब और अब की फिल्मों की हिंदी में, एक दृष्टि डालते हैं।

बीते दौर की बॉलीवुड फिल्मों में हिंदी: पिछली सदी के सत्तर और अस्सी के दशक के एक्टर्स की बात करें तो अमिताभ बच्चन की हिंदी बहुत समृद्ध थी, साथ ही उसमें हमेशा 'संवाद अदायगी' का एक मंचीय असर दिखता था। उनसे पूर्व दिलीप कुमार के संवाद इतने अधिक अभिनय केंद्रित हुआ करते थे कि दर्शक डायलॉग्स को सुनने की बजाय देखने लगता था। दिलीप

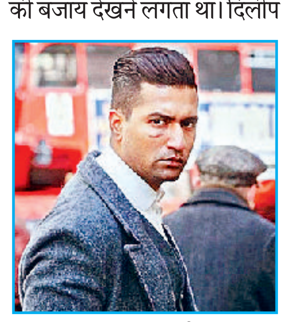
'उधम सिंह' में विक्की कौशल

कुमार के संवादों में हिंदी-उर्दू मिश्रित भाषा देखने को मिलती है।

ऐसे ही अभिनेता राजकुमार की संवाद अदायगी में उर्दू-शैली का असर दिखता था, जो उनकी अभिजातीय छवि का हिस्सा बनता था। उदाहरण के तौर पर फिल्म 'पाकीजा' में उनकी संवाद अदायगी को देखा जा सकता है। अपने जमाने में राजेश खन्ना या शत्रुघ्न सिन्हा जैसे अभिनेता अकसर अपने मूल क्षेत्रीय लहजों को पूरी तरह छोड़े बिना हिंदी बोलते थे। यह उस दौर में 'स्वाभाविक' ही माना जाता था।

अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री स्मिता पाटिल भाषा को साधने में माहिर थीं। वह बहुत अच्छी हिंदी बोलती थीं। उनके द्वारा बोले गए संवाद बहुत गूंजदार, ठहराव से भरे होते थे। उनके संवादों में लयात्मकता होती थी और इसमें कविताई का आभास होता था। समग्रता में देखा जाए तो पिछली सदी के 70 और 80 के दशक में अभिनेता हिंदी को एक खास छंद, ठहराव और 'दबाव' के साथ बोलते थे। यह एक 'शास्त्रीय लहजा' था, जो दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, शबाना आजमी, स्मिता पाटिल आदि कलाकारों की संवाद अदायगी में दिखता था।

आज के फिल्मों की हिंदी: हर दौर की अपनी एक अलग भाषा, संवाद का एक अलग सलीका होता है। यह बात हिंदी फिल्मों पर भी लागू होती है। आज की फिल्मों की हिंदी पहले की फिल्मों से बेहतर भले न हो, यह पहले की तुलना में अलग जरूर है और असरदार भी। आज फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी ज्यादा लचीली, संवादधर्मी और ग्लोबल शहरी अनुभव से जुड़ी है। यह किसी खास उच्चारण और लहजे में नहीं बोली जाती बल्कि यह हमारे-आपके जैसे सामान्य लोगों की तरह ही बोली जाती है।

हिंदी बोलने में दिखता है आत्मविश्वास: आज की पीढ़ी के अभिनेता और अभिनेत्रियां हिंदी को पूरे आत्मविश्वास से बोलते हैं। उदाहरण के तौर पर फिल्म 'सरदार उधम सिंह' के संवाद 'जो लहू नहीं खौला, वो लहू नहीं...' को देखा जा सकता है। फिल्म में विक्की कौशल पूरे आत्मविश्वास और गहराई के साथ हिंदी बोलते हैं। न संवादों में कोई बनावट, न हिचक। फिल्म के संवादों के उच्चारण में हिंदी की शुद्धता भले गायब हो, लेकिन हिंदी के लिए गर्व और सहजता यहां साफ देखा जा सकता है।

दिखता है सहज भाषाई प्रवाह: आज की बॉलीवुड फिल्मों में सहज भाषाई प्रवाह दिखता है। इसका एक खूबसूरत उदाहरण आलिया भट्ट की फिल्म 'राजी' है। इस फिल्म में

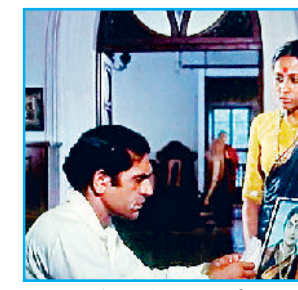
भाषा को साधने में माहिर थीं स्मिता पाटिल

एक कश्मीरी लड़की की भूमिका निभाते हुए आलिया ने जिस तरह की हिंदी बोली है, उसमें पानी जैसा बहाव है। कोई भी शब्द या संवाद अतिरिक्त जोर देकर नहीं बोला गया था, फिर भी ये असरदार थे।

क्षेत्रीय प्रभाव से मुक्त हिंदी: आज के दौर की फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी की एक और खास बात यह है कि आज के ज्यादातर अभिनेताओं और अभिनेत्रियों का उच्चारण और लहजा क्षेत्रीयता से मुक्त है। उदाहरण के तौर पर जान्हवी कपूर की 'गुड लक जेरी' को देखा जा सकता है। फिल्म में जान्हवी को बिहारी-पंजाबी पृष्ठभूमि का दिखाया गया है, फिर भी उनका उच्चारण क्षेत्रीयता से मुक्त 'न्यूट्रल शहरी हिंदी' जैसा है।

कैजुअल फ्लुएंसी पर जोर: आज के अभिनेताओं को मंचीय प्रशिक्षण, स्क्रिप्ट वर्कशॉप्स और संवाद को स्वाभाविक बनाने की ट्रेनिंग मिलती है। आज के दौर में संवाद अदायगी की नाटकीय शैली के स्थान पर रोजमर्रा की जिंदगी में बोली जाने वाली हिंदी और इसकी कैजुअल फ्लुएंसी पर जोर दिया जाता है। विक्की कौशल, राजकुमार राव, तापसी पन्नू, भूमि पेडनेकर, ये सभी संवादों में हिंदी को आत्मसात करके बोलते हैं। ये हिंदी को 'परफॉर्म' नहीं करते, बल्कि 'जीते' हैं।

कुल मिलाकर, फिल्मों में आज की पीढ़ी की हिंदी ज्यादा कैजुअल, लचीली और वास्तविक जिंदगी से जुड़ी लगती है। पहले के फिल्मों की हिंदी भाषा में 'भाषाई सौंदर्य' था, आज के फिल्मों की हिंदी में 'संवादिक सहजता' है। *